

॥९८०॥ श्रीगणेशाय नमः श्रीगुरुभ्यो
नमः ॥ कपूरजवेतिजजलीरे ॥ एदे
श्रीः ॥ एषथातकपदिकंककुरे ॥ हिंसानां
मडुतामारितेनरजीवनेरे ॥ जेलदेमरणअनं
तां ॥ यथांणीजिनवांणीधरोचिंतामातपितादि
अनंतानारे ॥ पांमेविजोगमतिमंदादालिष
दोहगडवनविटलेरे ॥ मिलेनवज्जनहंदांश
शांनदोईविपाकेदसगुणारे ॥ एकवारकियां
कमीसतसदस्वकोटीगमेरे ॥ तीव्रनावनाम
मरिषाशांणमारिकदतांविण्डवडावैरे ॥ मा
स्यंकिमनविहीया ॥ हिंसा नगती अतिचुरा
रे ॥ विश्वानगैरनीजोयरे ॥ धाशांणतिहनेजी

रेजेऊवहि॥ रोड्धांनप्रमहा॥ नरकअति॥
चित्तेनृपकृत्तरे॥ जिमसंन्मवदत्त
रे॥ पाप्रांणनृपविवेककन्याद्वामारे॥ परण
वेजससादा॥ तिदधकीइरेटलेरे॥ दिंसाने
मबजायरे॥ ॥ ६॥ ॥ ॥ इतिब्रह्मः
॥ जाबलदेमातरे॥ एदेवी॥ ॥ बीजं पाप
थांनकृष्णाकादङ्गध्याना॥ अजदीगानी
रेनविमानोधर्मसंशीतमीजी॥ ॥ ॥ वेरदेवेद
अतिश्वास॥ एदशीदोषत्रन्यास॥ आणय
ईरेनविजाईव्यधियप्रपथ्यसीजी॥ ॥ रहि
चुंकातिकसूहा॥ परिजनवत्तनमेन्हरि॥ ॥
॥ सद्वुंरेनविकहवुं॥ सुतनयादिकीजी॥

॥ अथ समधर्मशास्त्रात्संस्कृतं ॥
 ॥ अथ यत्तरेरेकरुवेघाज्योरसातलेजी ॥
 ॥ धाजेहोसेसम्युत्तचित्ता ॥ दोईजममांपवि
 ॥ अथ णतेहनेरेनविनयस्सहा ॥ चंत्तरय
 ॥ धृष्टीजी ॥ जेनविनाषेअलिका ॥ दोलेगवु
 ॥ वीकाअथ णटेकेरेस्सविदेकेसजसमेस्स
 ॥ पवरेजी ॥ ६ ॥ इतिदीतीयः ॥ निदड
 ॥ लीवयराहोयरही ॥ एदेही ॥ चोस्ति
 ॥ सतनिवारीइ ॥ पापधोनिहोइजोका
 ॥ रूंधोरकोइहन्तवरेनवइषधणा ॥ लहे
 ॥ प्राणीहोएहथीअतिजोरको ॥ यचोणचोर
 ॥ तेपापदलइहोवे ॥ चोरीथाहोधननवरेन

टके॥ चोरनो को ईक्षणी नदी॥ जाये नर के
 हो जिम निपट निटो लके॥ ३॥ चो॥ ना तुप
 मा उरी सस्क॥ र सुं रा शु हो धां पण क सं
 जे ह के॥ टण म ष मा च न जी जी शं॥ अण दी
 फ हो को ई नी ते द के॥ ४॥ चो॥ हरे व्य न ध रं
 रु ट ट ले॥ पी जे वा ला हो स ग ले ज स धा व
 के॥ सर रु नो हो ई ने ट णं॥ उ त ती जी हो ज
 स अ रे दा य के॥ ५॥ चो॥ त जी चो र पी ता वे
 र ता॥ हो य दे व ता हो रो ह णी या जे म के॥ ए व
 त धी रु ष ज स ल हे॥ व ली धां णी हो व है उ
 ए रु वे म के॥ ६॥ चो॥ इ ति ट ती वः॥
 ॥ वे वा रु जी र्ता वी न नु ए दे वीः॥ पा प यं

लकचोयकरजिया। उरगतिफलअबेना।
जगसविमज्जेबैएहमां। तांनेतेहअनंन
। एपापणसमुलगिरेकथि। परिणमेअतिकू
राफलकिंपाकनेसारिखा। वरजेसज्जनहर
शपाणअधरवि

लकविनचिसालारामादेवीनराचीशंरवि
षवेजरसाला। शपापणषवल
यष्टली। एलंगननल

रनीतबनी। जघनसेवनतेनिह्। एण५॥
दाशनलकणवनतणी।
कएह। राजश्रीनीमोहरायनी।
ननमेहा५। एण५॥ षकता

रूपे मयण अतार सीता ईरे रावण य
था सां कवे परतर नारि ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥
रजमां री लव्या रावणे दिव्य अखं न
रां मे न्या ये रे अ पणे री धी जगज यथं
त ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
कल कय जाय ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
क दिव्य सफल न दिव्या य ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नें जगि जस वधे दिव करे रे सा निधि ॥ ७ ॥
सु चर रे रे जे नरा ति पं मे न व निधि ॥ ७ ॥
ते वरुं दर्शने ते दली सुली सी ह्म स न होय
क ण गार्ग ग ने रे रू ता महि मा सी ल नी जे
॥ १० ॥ सु ल चारि व नी ए न लं सम कि त वृ ॥

दिनिदोतः रा। लसलीजधरेजिकी तसदे
यसूजसवषण॥ १५॥ १५॥ इति चर्ष
॥ ४॥ स्तमतिसदादिलमेधुयै एदे
जीः॥ एरिहममतापरिदो एरिहदो
एतोमूलसखणी एरिहजेर्धरे घणी॥ त
एजपसवी प्रतिरूज सण एण नवपलता
इरासथी॥ मामीकदोयनदोय सण एरिह
हणदबेअनिनवी सहुनेदी इंडवसी आस
कण॥ २५०॥ एरिहदणदयसुपणी नवमां
दियनिजंत सण थानपा वजिमयरे॥ नरा
कांरिअतंता सण वण॥ ज्ञानध्यानदयगा
यवरे लमजपछत परतंत सण ज्ञानेसमध

सुताजदी॥ फनिपणियपदिदं॥ स०॥ ४॥
 प०॥ परि॥ यद्वसेलिंगीया॥ लेईकमतर्ज
 सीस॥ स०॥ जिमतिमजगवताफिरें॥ उत्त
 होयसदीव॥ स०॥ प०॥ पतनजीवपरि
 यदी॥ इंधणयीजिमत्रागि॥ स०॥ दृष्टादाह
 उपसमे॥ जजसमज्ञानवेराग॥ स०॥ द०॥ प०॥
 पतोसगरस्कतेनही॥ गोधूनधीऊविकर्ण
 स०॥ तिलकसेवर्लीधनधी॥ कनकेतंद
 सकर्ण॥ स०॥ ७॥ प०॥ अर्ध॥ मरिह॥ नृणा॥
 कुरीया॥ नइंदनरिं॥ स०॥ स०॥ रि॥ एक॥ अप
 रि॥ ही॥ सा॥ क॥ स०॥ ज०॥ स०॥ म०॥ कंद॥ स०॥ ८॥ ९॥
 ॥ इति पंचमोऽध्यायः ॥ क०॥ न०॥ वं॥ ए॥ दि॥

विरतएकम तिधरादरो एदेशी

कीधतेक्षेत्रीक्षेत्री॥ कीधतेसंयमघातीरे॥
कीधतेनरकबुबारणा॥ कीधतेडरितपक्षपा
तीरे॥ प्रापयान्तिकबहुपरिदरो॥ मनधरोउत्त
मरवातीरे॥ कीधनंजंगतीआंगलि॥ एकदि
जयवतीरे॥ शपावाधूरबकीकीवरणकणे॥ स
योबिआतमाजेऐरो॥ कीधविवशकंतादोय
धकी॥ सविफलहारितेऐरो॥ घाए० बालेतिते॥
आ० अमआपणे॥ नजनाअन्यनेदादइरो॥ की
धदशानुसमानसे॥ तालैधसमप्रवादइरो॥ ध
ए०॥ आ० कीरातजीमाघातनाधर्मचंसमां॥
लावेरो॥ अग्निमंमिमविरदथी॥ लासतेसक
सरनावेरो॥ पापाप०॥ नाहीइतैतोविरितही॥

४
रिहो तो फलने होरो। सजन जो ते एहो दो।
जे हरो डडनि निहोरे॥ क्षपाण को धूम
कटु बोला। कंटकीया कंट नो पीरे। चप
उकल्यो एकरी कट्या॥ दोषना तरु सतसा
पीरे। पाप कुरंग नवत पकरा। चरित्र
सली समे अपणेरे। उपसमसार बेध वच
नो। सजस वचन रश्माणि है। ७॥ जगद्वि
जटिः॥ ८॥ ते दिज मता के तोर दो दो
जंजियाः॥ ९॥ एहो॥ १०॥ पाप ध्यान कर्क दे सात
मंजिन राजण। मान मान वने होय ड शित सरि
ताजण। आठ शिषर गिरा जतण। आमावले
ना देहि मजाली कृति हो। किमत नटले॥ ११॥

प्रज्ञादतप्रमदवलीगौत्रमदेनस्याः प्राजीवि
कामदवंतनमंगतिअंगेकस्याः कायोपरा
मअप्रकसारे जेएकएवदे॥ स्पौमदकवौएदम
निर्मदस्करवलेहैं॥ २॥ उच्चसावहृगदोषमद
जएअकरो॥ होइतेदनोप्रतिकोरकदेमु
नीवरषबो॥ भरबपुरुषसिंहरा॥ पीलघकता
नावहु॥ रुधनावनतेपावतशिवसाधनन
हुं॥ ३॥ मानेवोकराज्यलेकानुंरावणें॥ नरनुं
मानदरेह॥ रिआवीऐरावणें॥ सलनइक्षतम
दशीगोम्याविकारए॥ मानेंअवेजीवनेनर
कअधिकारए॥ ४॥ विनयअततपशीलचित्र
एदणेसवें॥ मानेंज्ञाननो नंजकहोइनेन

॥ लं पक बै क वि वै क त य न नो ॥ १ ॥ एद
बै बां फिता सन डर व दै प है ॥ ५ ॥ मां ने चा जव
जवत्सर एक का जस गर ह्या ॥ निर्मिद्वशी से
व क दी ई म ति सम क ह्या ॥ साव धां न त जी
मां न जे धां न ध्व ल ध रे ॥ पर म क ज स रा मा ता
स अ लिं ग न करे ॥ ६ ॥ इति स त मः ॥ ७ ॥
॥ राय क दे रां णी प्रति सां न लोः ॥ एदे वी
॥ एप थो नि क क द्युं च त मं ॥ सं णो सं ता
जी ॥ बां नी भा या म ह ला गु ण वे ता जि ॥ क ह्या
करे व त व्या द रे ॥ सं ॥ भा या नौ प्र ति रू वा युं
एवं ॥ श न ग न मा स उ प दा सी या ॥ सं ॥ ही य
जी ईं क स अ न्ना ॥ सं ॥ ग र्ज नं त ता पां म स्पे

सं०॥ जेहि माया मना फ०॥ शकिस लोचम ल
धरा॥ सं०॥ नमिसया वत व्याग गि०॥ नमक
रस विहा धने॥ सं०॥ उद्धर माया त्यागा गु०॥
नातयान वचन व्याका तु॥ सं०॥ गीपन माया व
त गु०॥ जेद करे च्यस ती परे॥ सं०॥ तेन ही हित
करवत गु०॥ थ०॥ कस मधुरे धरि सेवने॥ सं०॥ वि
तर हो स विज्ञा गु०॥ जप हित सबी जी र हो॥
सं०॥ मत्कलुपणिस गुण गुण गुण॥ प०॥ दं नी एक
निंदा करे॥ सं०॥ बीजी धरे गुण गुण गुण॥ म०॥ म ह ला
नेत व पुस्तक हो॥ सं०॥ बीजी ने के व ली सा गु०॥
ह०॥ विधि निषेध न विग पदिसें॥ सं०॥ एकां ने नग
वंत गु०॥ करणि इंती॥ कपटी हवुं॥ सं०॥ ए अं०॥

जे तंता थारु पा माया थी अलग टलीं ॥ १० ॥ जि
 मपिली मगति स्वरंग सं ॥ स्वरजस विलास
 स्वरही रहो सं ॥ लक्षण अष्टां मायु ॥
 ॥ इति अष्टमः ॥ ॥ जीरे मारे एहि
 ॥ जीरे मारे ॥ लोटे ते दोष अथो ना पापयां
 न कं व मं क हूं जीरे जी जी ॥ एवै सर्व विना
 स नंद लः एह्यी क ए नै स्वर व लें हूं जी ॥
 जी ॥ कणी इंब ज लो नार्ही चक्र वर्ति हरिनी
 कया जी जी ॥ पां म्या क हू क विपा क पी व तर
 क ज लो य म्या ॥ जी ॥ २ जी ॥ नि ई न ते स त व
 ह ॥ जी ॥ सह स ल दे सी ल ष लान सह स ल ह्ये
 पित लो लि ई जी तो ऐ ई सर की मि ई ॥ जी जी ॥

॥ श्रीगुरुदेव नमः ॥

तद्वत्तु त्वं श्रीगुरुदेव नमः ॥

जी॥ १५

श्रीगुरुदेव

शुभ

मा

श्रीगुरुदेव नमः ॥

पतिजेकरीजी॥ सज्जस

॥ इति नवमः ॥ १५ ॥ एतद्द्वितीयं केरलीयं
 एतद्द्वितीयं ॥ यत्कंथानिकदसमंकहंरगरे
 ॥ ऊषेनयाम्येतेदनीतागरे ॥ रागेइहादरि
 चरवं नरे ॥ रादेनादेकरीचवं नरे ॥ रागेने
 सरिबेवकलजारे ॥ विषीयालिलाषतेमंरी
 ताजारे ॥ जेहनाबोसंइंजीयपंचरे ॥ जेह
 नोकीक्षेसकलएपुंनरे ॥ जेहसदागा
 मरसिहोइजास्यरे ॥ तिग्रप्रमत्ततात्रिष
 रेतास्यरे ॥ चरणधूरमत्तपरीलविदेकरे
 तेस्कनदलेरागेतेकरे ॥ ॥ बीजातोसवि
 रागेचाह्यरे ॥ एकादशरागणेउमाहारि ॥
 रागेपम्यातेपिणशुतारे ॥ नरकनित्येगे ॥

दमदाधवजस्ताथे॥ धारामदरुणतपजपश्र
 तनाथारोतिदधीजेणेनवफलचाथारोति
 दनीकीईनहै॥ श्रुतिकारोरे॥ अमियदोईति
 षंतिदांस्तेवारोरो॥ पातपबलबुटातरुणं
 तांणीसो॥ कंचनकीमिअप्राषाढस्तत्रांणीरो
 नदीवेणपिणरागेनमियारो॥ श्रुतधरपिण
 वेस्पावशिपमियारो॥ ध्यात्वादीसजिनपण
 रहीधरवासीरो॥ वरत्पाधरवरंगअन्यसि
 रो॥ वज्रबंधपणिजसवलहूटेरोनिहतंभूय
 ॥ देवाजचाटनअगतिबुद्ध

जोहोईम

एहमातीवरेणारागमकरहोकीरुगरु
एहकरोमदिरहताइतीकरयोमनिस्म
रोमणिनिमपाणिचिषकंतिमतेहोरेरा
यकंनेषजिसकजससनिदीरोराइतिदे
राभावाएणदिवनभरीयेलालणदिवनभरी
इंदिवनजयाएरीलालणदिवस्सवत्तरीइ
लालापापथांनकरएइएइपरमंकंकंमूंकं
इधरदित्तिसदीएसदिरुगुलाअराधर
एकरागमणत्तरीदिरसालीइधपूमदे
इरेलालणकासीलाणदीगदीषत्तली
ससद्धत्तादीरोपूमदीषित्तीएएबलविल
रीलालालाणप्राअयत्तिहारतीतवजयकं

रि०या॥क०ता॥द्वे०ने०च०व०मा०दि०फ०री०या॥

सिवलदेतेदध्योवदिलं॥ला००३
तेगणवतन

तां॥जा०॥प्रा०॥प०य०णी०ने०व
गमादितेदनीकीरतिजागी॥ला००४॥हाम
धरीजे०जि०दा०गण०ल०दी०जे०॥नि०ग०ण०क०प०रे
समचितरदीज०श०ला०॥च०व०
स०ज०स०

॥ ला०॥५॥इति०का०द०श०नः॥॥१॥कि०स०
के०चे०ले०कि०स०के०॥ए०दे०शी०॥
द०र०म०पा०प०था०न०॥

न साजनसंनलो। एजगमीदेरोग। कल
 दसात्रकामलोग। दंतकलदजेधरमां
 देहीय। लबीनिदसेंतिद्वानविजोय। सा०
 ॥ १॥ स्तंभदस्तिनरकेसार। नकरेअपिकांइ
 गमार। सा० ॥ दंतकलदइमजेदनेथाये।
 तेदंयतिनेसुषुक्कणताय। सा० ॥ २॥ कांटेथ
 इरेवामि। बीलेखधरानि। सा० ॥ जांणीने
 मोनधरेकणवंत। तीसुषुपांमेअउलअ
 नंत। सा० ॥ ३॥ नित्यंकलदणकोलंदणसील
 ॥ नंमणसीलदिवदशील। सा० ॥ चिंतेउता
 पधरेजेएम। संयमकरेनिरर्थकतेम। सा०
 ॥ कलदकरीनेषमादेजेद। लघुपुरुअ

गधकदीप्रीइसण॥ कलेदसमावेतेधनधन
जणमसारकदुसामान्ता॥ धासणानादेन
निरदयवित्त॥ कजद
साजनचारव्यानडर
सु

स०॥ ॥ ॥ इतिछादस ११
नीवरचात्यागीचलीः एदेसीः ॥ पाप

अतंतोरोएधनश्चेत्तरजेजिनमते
बतेदीषरेअस्यास्यानजो॥ क

न नानोत्तरे ॥ १४ ॥ न ॥ जे वृद्ध फल स्वर्ग देवली सु
णी ॥ मत्सरी अत्पारखानी हो अरे ॥ पातिल
लागे अणकी क्षमदे ॥ ते किं फल सविष्णु दे
॥ १५ ॥ मिथ्या मत नरे दश सिद्धाजिके ॥ अ
त्पारखाने माने दोरे ॥ गुण अत्र फल तो रे जो
करे पालटी ॥ ते पांमे वृद्ध रे दोरे ॥ १६ ॥ प
ने दोष अत्र तादी जी इं पी जी इं तो जिन वां
णी रे ॥ उपसमर सस्कं रे चिं रमं नी जी इं की
जी इं सक ज सक माणी रे ॥ १७ ॥ १८ ॥ इति श्रु
दशमः ॥ १९ ॥ पाप्यां न क हो के चो दमं
आ करु ॥ पिशुन पण क हो के वसन बै एव
हु ॥ अज्ञान पात्र नौ के श्रुन क कृत ज्ञ ॥ ते ह

श्रीनन्दे होके पिशुन लवे पवैं ॥ शब्द
करि इहो पिशु
ला होके दोइ तेउ परे ॥ इहो को को होके
सउ जलो ॥ किम होइ प्रक्रमे होके
सामलो ॥ २ ॥ तिल हति जहण होके नेह
लगे ॥ बिदपण हे होके खलका
मनिस नेह होके निरदय रिदयथा ॥ पे
शुननी वाता होके नवि
मीकरतां होके चामी गुणतणा ॥ सुके चूके दे
के
के वदन ते पिशुन तण ॥ निरम
के दोइ ते कलंक घण ॥ ४ ॥

नेहोंकेपिश्चननेंइषिइतिमतेऐसहजे
 होकेरेकतनचषीइंनस्मिमांजणेके
 दर्पणदीयनलो॥सजससवाइहोके॥
 सज्जनसकुलनलो॥५॥इतित्वद्वे
 :॥१४॥प्रद्युम्नगोत्रा ल्यातऐनरेजीः॥
 ॥एदेरीः॥जिहांनरपतिकोईककारऐज
 ॥अरतितिहांपिणहोयपयांनकतेप
 नरसंजी॥तिऐएकजजोय॥यसगण
 नरसमकीचित्तमकारचित्ततअरतिरति
 पांषसंजी॥ऊमेपंधरिचित्त॥पंजरश्च
 समाधिमेजी॥संधोरहेतेमित्र॥२॥सं॥म
 नपारदऊमेनहीजी॥यांमीअरतिआ

॥ तो दोई सिद्ध कल्याण नीजी ॥ नाव विजाई
जाई नाग ॥ सं० ॥ परवसि चरति रति का
री जी ॥ नृतारति दोई जै द्युत सविदे कश्यपे
नही जी ॥ दोई न डषनो वेद ॥ सं० ॥ नरति चर
रति वेद सुकथी जी ॥ तिक पजे मन मां दि ॥ अंग
वृत्त न सुत श्रुत जी ॥ मूका दिक न दिकां ई ॥
सं० ॥ ममत कल्पित रति चरती वै जी ॥ नदी
सत्पर जाय ॥ नही तो देवी वस्तु मां जी ॥ कि
मते सविमिद जाय ॥ सं० ॥ जे ह चरति रति
न बिगले जी ॥ सरव देव समां नति एं में जस सं
पद जी ॥ बाधि जगित सदान ॥ सं० ॥ इति
पंचम दशमः ॥ १५ ॥ देशी सुदरनी छै ॥ २५ ॥

॥ एदेही ॥ संदरणा पया निकत जो सी
ल मुपर निंदान्न सरा ल हो ॥ सं ॥ निंदक
जे मरवरी हो प्रति रो रो चं माल हो ॥ सं ॥
रण ॥ जे हने निंदानो दाल बै ॥ त एकि रि
यात सफी क हो ॥ सं ॥ देव कि पित ते उ पजे
॥ ए फल रो कारो क हो ॥ सं ॥ ॥ पा ॥ को ध्व
जीरण त एत ए ॥ द्वांत त ए ॥ अ दं कार हो ॥ सं
॥ पर निंद कि रि यात ए ॥ त म न च जी ए
अ दार हो ॥ सं ॥ ॥ ॥ नि दानो जे स न
व बै ॥ सा स क य न वि व निंद हो ॥ सं ॥ नां म
धरी जे निदा करो ॥ ते ह म दाम ति मंद हो ॥ सं
॥ ॥ पा ॥ ॥ ए न हो र्क क्षरी शं दा वि शं मा

निजरंगदो॥सं०॥तेहमादिकांशनिदान
दि॥बोलेबीजुंभंगदो॥सं०॥पापा॥एकत्रा
लनइमकदो॥कीपदोइजेदनाषदो॥सं०॥
तेहवक्तुबेनिदातणो॥दशविकालिकरा
विदो॥सं०॥दृष्ट०॥दोषनिजरणीनिदा
दो॥श्रीगणनिजरिदो॥इरागदो॥सं०॥जग
सविचालेमादलमदो॥सर्वगणीवीर
तोगदो॥सं०॥पापा॥निजमरवक्तुक
करीलमो॥निदाकपरमलक्षोइदो॥सं०॥
तेहथोमापमणयदो॥संततैविरलाके
इदो॥सं०॥पापा॥परपरिवादवसनत
जो॥मकरोनिजउत्कर्षदो॥सं०॥पापक

रमद्रमसविटलेंपांमेकनजसद्वर्ष
 हो॥स्क०॥ए॥दाव०॥इति॥जो॥नृः
 ॥१॥दा॥सत्त्वदै॥रमदिनेचा॥व्याः॥ए
 दे॥रीः॥सतरकफएकेतांमा॥परिहर
 ये॥सदा॥गुण॥क्षंमा॥जिमवधिजगमांमा
 मला॥होला॥ला॥मा॥यामो॥सन॥की॥जि॥१॥ए
 तो॥वि॥षने॥वलि॥व्य॥र॥ध॥स्युं॥एतो॥वा॥स्व॥च्य
 व॥क॥ध॥स्युं॥एतो॥वा॥ध॥नं॥बाल॥कारु॥होला
 ॥१॥मा॥०॥जितो॥मा॥ईने॥मत्सा॥वा॥शी॥थ॥शी
 ई॥मी॥टा॥करे॥वगा॥ई॥तस॥हे॥ति॥ग॥ई॥च॥उ॥रा॥ई
 होला॥०॥१॥मा॥०॥जि॥ग॥लां॥परे॥प॥ग॥ला॥न
 रता॥॥थो॥उं॥बो॥ले॥जां॥णि॥म॥र॥त्वा॥जग॥धं

धेयालीफिरताहोलावाप्रामाणजेकप
टीलेलेकुतु॥तसलागीएअत्रप्रवृंमंफित
मांदोइकरंरुतुहोलावाप्रामाणदेनी
तुंरुतुंमीयुं॥पणिनारिधरितेंदीहूं॥एणिते
तोवैडरगतिवीवुहोलावाप्रामाणजेअनी
दिइउपदेसा॥जनरंजननेधरेवेश॥तेदने
पुतोसकलकलेशहोलावाप्रामाणतेएंड
जोमारगनाषो॥वेशनदिइंदनेराषो॥स्थ
छनाषीइंसमसंषवाषोहोलावाप्रामाण
पुतुहोलीउदरजेदसरवुं॥कपटीनेवेवेप
रुतुतेजमवरैरफकरवुंदो॥एणमाणपमे
जाणतोपणदेनीमायामीसनेअधिक

अचेने॥ समकितदृष्टिमतयेनेहोला॥
 ए॥ मा॥ अतमयादतिरक्षरी॥ रखागाय॥
 मोसनिवाशि॥ अक्षनाषकतीवलीदारी॥
 होला॥ ए॥ मा॥ जेमायां कुतुनबोले॥ ज
 मतहीतसतीले॥ तेराजेसजसअमीलहो
 ला॥ १२॥ मा॥ इति॥ तद्वत्॥ १३॥
 उत्ताप॥ इति॥ ॥ अटारमंजेपाप
 चुष्पांनिकतेमिथ्यात्वपरिज्ञी॥ सतरशी
 पणिएकतेनारीहोईलोज्ञीधरीज्ञी॥
 कष्टकरोपरिदुमी॥ अप्याधर्मअरथेधुनष
 रचोजी॥ पणमिथ्यात्वततेकतुतेएतेह
 मा॥ उमेतिरचोजी॥ १॥ करिष्यकरतोतज

तोपरिजनडषसदतीमनरीकेजी॥प्रंधा
 नजीपेपरनीसेनातिममिष्णत्वहृष्टीनसी
 केजी॥दीरसेनस्वरसेनहृष्टांतेसमकित
 नीनिर्युक्तिजी॥जोईनेनलीपरिमनचावे
 एदअरथवर्युक्तिजी॥२॥धर्मअधर्मअ
 धर्मधर्मदिसनामगाउमगाजी॥३॥नार्गेम
 रगनीसनासाक्षअसाक्षसंलगो॥असा
 क्षमांसांनीमतिजीवे॥अजीवअजीवजि
 यवेदोजीमति॥अमृतअमृतिमदसना
 एदराजेदोजी॥३॥
 नियहाअनातिगृहिकसंज्ञसरिवाजी॥
 अनिनिवेरा

जीx

नीरहिषाजी संयते जिन च च न नी संका
 अयक्तिं अना नौगी जी एपणिपां च ने
 दहे विभक्त जां ऐसम फ लो गी जी ॥ ४ ॥
 लोक लोकोत्तर ने देष न विध्व देव च ली
 मरु पर्व जी संगति ति ह्यं लो कि क रिण
 अर कर तां प्रथम निग र्व जी लोकोत्तर
 र देव माने निया एण मरु जे लक्ष्मण दीन
 जी पर्व निष्ट इष्ट इष्ट लोक ने का जे मने
 मरु पर्व लीन जी ॥ ५ ॥ इम एक र्स सिध्या
 त्त जे जे न जे वर एण मरु कोरा जी संज
 त एपे र जे न राषे मत्सर झे द्य ने रा जी
 ते सम कित क्षरी शुच चारी ते ह नी जगत्

स ५

१६

लीहारीजी॥शासनसमकितनेआधेशेंतेह
नीकरोमनहारीजी॥६॥मिथ्यात्वतेजगि
परमरोगबे॥वलीमादाअंधकारीजी॥पर
मसत्त्वनेपरमशास्वतेपरमनरकसंचारीजी॥
परमदोहगनेपरमदलिइतेपरमसंकटते
कहीइंजी॥परमकंतारडर्जिहपरमसेतेब
न्येसफलदिइंजी॥७॥जेमिथ्यात्वलवले
शनराषिस्तुधेमारगनावेजी॥तेसमकि
तकरा॥तरुफलचावेरदेवलीअणिइं
अवेजी॥मोटाईसीदोईफलदावेफल
पक्तसमकितदावेजी॥आनयविजयति
बुधपयसेवकवाचकजस

॥ जा ॥ इति च ॥ सा दस पय द्यानी कस्वा ॥
 ध्याय सं ॥ १५ ॥ श्री मां ए न ॥ जी
 प्रसादात् ॥ श्री रक्त ॥ श्री क ल ॥ ए म र ॥
 ॥ जा ॥ ति दा जा चानी ता ए क री ये
 रे ॥ ए दे वी ॥ जगत्तु रु द र स ए व ही ॥
 लो दी जे रे ॥ मां द रो म क री मां नी नि ली
 जे रे ॥ श्री क र्ण ॥ ॥ प्र क क्ता सी दे स वै त
 गो रे ॥ ॥ प्र ॥ सै न न री द क ल चंदो रे ॥ ॥
 ए र सी न ग रि न रि दे ॥ ॥ १५ ॥ ज ॥ ॥ प्र क
 प स्फु टे स वी र जे रे ॥ य ल व द दे से ग जे
 रे ॥ मो र वा डे म हि मा रा जे ॥ ॥ २० ॥ ॥ प्र क
 नी ल व र ण त न द्वा र रे ॥ जग जी व न ज

ननातासरे॥ प्रकृपंचमेवारेवाहूकं॥
आज० प्रमसतरेनेदस्तात्रैरे॥ करी॥
येनीजतीर्मलगत्रैरे॥ वलीदीजीय
दांनसंणत्रै॥ ध॥ जग० गोलीमील
मंगलगत्रैरे॥ सहसिंघमीत्यो नलेन
त्रैरे॥ प्रकृदरनिअधीकोनपत्रैरे॥ ५
॥ ज०॥ श्रीसवंसमेअधिकउमंगेरे॥
वलीदापणामोउसुवंगेरे॥ दादरम
लदोनअनंगे॥ ज०॥ जोरावरमल
जगदात्रैरे॥ सिंघअगेदाणीयावै
रे॥ प्रकृदरनिअधिकोणवै॥ ज०॥
॥ लासुइत्यजिणेवयकी

ज०

मादे जिघेंस ली करे ॥ वली सजसा ॥
 अमृत रस पीध ॥ ज० ॥ ८ ॥ श्रीतप
 गच्छते जस ता थारे ॥ श्रीदेवे प्रसूरी स
 रसा थारे ॥ सीध स कल तणे मन नाया ॥
 ज० ॥ ९ ॥ अतारे रे रा एं वे अ थारे ॥
 आसा व हित्ती य स ष दा थारे ॥ क ज स
 म नी दर्शन पाया ॥ ज० ॥ १० ॥ गज हो
 दे प्र ऋ प ध रा थारे ॥ मोर वा डे दर्शन पा
 थारे ॥ पर ता व दि जे य गु ण गा थारे ॥ ज०
 ॥ ११ ॥ इति पद मः ॥ प्र क वी वंदो ऋ
 ष न्न दे व न म वंत ॥ प्र ऋ वे रा सो है स मो
 सर ण न म वंत ॥ ति हा व इ दि रा जे व म

संवत् ४

१८

रहालेइंइं॥ जेदनागुणगावेसरनर
नारीनाहंदा॥१॥ वारेपरषवेवीइइइं
झाणीराय॥ नवकमलरहेतीदाप्रक्त
जीठवताप्यादिवइंदनीवाजेऊक
महष्टीविरचंत॥ एहवाजिनचोदीसेडु
जोइकममवित्ता॥२॥ जिनजोयनन
मीवाणीनोविस्तार॥ प्रक्तअरथप्रक
सेरचनागणधरसार॥ तेअगमसुखा
तांबेदीजेगतचार॥ जिनवचनप्रमाणे
लहीयेनवनीपार॥३॥ जषगोमधगी
रुचोजननीनक्तिकरंत॥ तिहांदेवी
चकेचरीविघनकोमहरंत॥ श्रीतपगव

५

नायक विजयसेन गुरु राय तसके
रेशाव करी कुरुदास गुण गाय
॥ हनुमन्त विजय कुरुदास गाय ॥

गन्धीकुम्भानेतीरुचिद्विपत्तजंभसतजत्रग
समदावली कापटदयलीदिमदेततउचलीः
अत्रेयात्रिंशपुत्र जामिपनेः अंकदासीमसद
मिपउडीतने १५५मरवरीयारीपुत्रजनानेचुर
जवी एदेगीः मैडाचारीमिहृद्वजलमेरदेम
राबालज० आंरुमेअमिपजभनोरमेनापीवि
नीमे० मित्रिंजजापमदमृदजाचिकवेफदे न
जाके रसततपेवमिनरएलदेजिनवरकदे न
कदेति० अंदरीआंदरीजसवांगीरजयम
कुम्भानी एदेगी मद्यमलमलदलविजलव
जलवंसावली सोतागीः जंवलकोलपगंधलि
यणअत्रिंशडी सोतागी अंतगतनविदेव
कंरुलजाचेमिली सोतागी अंतगतनविदेव
एतजेनितजिवली सोतागी अंतगतनविदेव
कपारपांमारेतोनी सोताल पंतारेनीद

— 4 —

1954

[illegible]

गङ्गाजीयो दालिपद्वरे आसद्वरे पासद्वरे नगदी
 सरे चरणप्रमोदसुसीसजपेद्वरो मन जगीस
 र द्वरो आसिधजगीस र ७ इति मंत्रगर्जितपा
 श्वनायजीस्तवनं॥ अथ श्रियाः गोतमनाम
 प्रजातजपो जिमरिद्विसमृद्धमिलेवकतेरी
 जालज्वालरहेनिसिवासर आसफलेदि
 लकीजुंअनेरीः जोजनमिष्टमिलेनलीनाति
 जुंवाधिव्याधिरले जुंअनेरी मनवंचितषे
 मध्यमंमध्वनेरी १ चेत्यवंदनः सकलकृत्तल
 वल्लीध्वक्करवर्जमिष्टो इरिततिमिरगतुक
 लहृत्तोपमानः नवजलनिधिरीत नवसे
 पतिदेवः सन्नववसतंतवः श्रेयसोपाश्वना
 थ॥ १॥ जंनमीनगवतेआपाश्वनाथाय नमो
 लवविनिभ्रंनप्रभ्रंनदीयि

रयेऽपद्मावतीसहिताय अष्टमद्विंशविंश
द्विंशान्स्त्रयस्त्रिंशदा ॥ सर्वविप्रनिवारक
॥ श्रीगुरुस्त्वोत्तमः ॥ अथवाक्षरनावनालिप्यते
। इहा पासजिणेसरणयेतमि सद्गुरुनेआध
र नवियण। जननेहितनणि नणस्संभावनाव
र १ अथमअनित्यअसरणपणुं २ एहसंसा
रविचार ३ एकलपिणधअनांतवतिमपं अस्स
चिदअथवउसंनार २ संवरणतिर्जरएणा
चनां लोकसरूपएस्सवीध १ इह्मदनावन
जिनधरम २ इणिपरेकरजोअध ३ रसकं
पिरसनावीउ लोहयकिज्जइहेम जिज्जइणि
नावनसुइज्जय परमरूपजहेतेम अनावि
वनांदानादिकं जालिअलुण्णंक्षन नावरसा

गनिल्याथकी तूटेकर्मनिदान ए लालना
 वनरीदशी पहेलीनाचनांइणिपरेणाविइ
 जी अनित्यपणहंससार नानअणिजिहवी
 जलबिंदुजि इइधनूपअनुदार द सहि
 जसंवेगीसुंदरअतमाजी धरिइंजिनधर्म
 स्मरंग चंचलवपलांनीपरेचिंतवेरे अत
 मसविजसंग उ सगे इइजाजस्तहणेअत
 अशुभस्मरे कानोतोसनेलेस तिमअमन
 जाअथिरपदारथेरे स्मंकिजेमनसोस
 म गारत्रेइपरिमानेइज्जुं एजोवनरंगरी
 ल धनसंपदपिएदिसिंकारमीरे जेइवा
 जलकल्लाल ए सठ मूंजसखिबेमांगिति

षडिरे रांमरह्योवनवास इणेसंसारिएसुषसंप
दारे जिममंभारागविजास एसवे सुंदरएत
नुंसोनाकारमीरे विणसतांतद्विवार देवतणे
चवनेप्रतिज्ञजीउरे चक्रिसनतकुमार ११स
स्वरजराक्षयद्वेणममजीउरे श्रीकिरतेधररा
य करकंठप्रतिबुधोदेषिनेरे दृषनजराक
लकाय १२किहालगेधंआंधवलद्वेरेरद्वेरे
जलपंणीटाजीय आऊंइतेमअथिरमणुंअ
हरे गर्वमकरसोकोय १३सव अञ्जलिबल
सुरवरजिस्फारे चकीहरिबलजीनि नरहो
एणियुगकीर्दीयरथईरे सुरनरत्नपतिकी
नि १४सव इह पल२लिजेआऊंअं अं

लिङ्गलक्ष्मणं च तत्तांसायि संवल्लं लेईसके
 तोलेह १९ लेईअचित्तगलस्यंग्रही समयसि
 शणोआवि सरणनहिजिणवयणविण ति
 एहवेअसरणताति १६ टाल २ रागरांमगिरि
 । रांमनसिहरिज्वीइइदेशीः बिजिअसरणन
 वनां नाकोरिदयमजारिरे धर्मविनांपरनवज
 तां पापेनलदिसपाररे जाईसनरगद्वयाररे
 तिहांउककवणअभाररे १७ जालसुरंगारे
 णिया मूकिनेमोहजंजालरे मिथ्याप्रतिस
 चित्तालिरे मायाअलपंपालरे १८ जा० मात
 पितासुतकांमनि नाईनयणिसहायरे मे
 मेकरतांरेअजपर करमग्रहीजिदजाररे

तिहंश्रमिक्तीनविष्णुदे उषनलिप्रंवेदिवा
हियरे १९ लाप नंदनीसीवनहंगरी छापर
नाईसीकाजरे चक्सिंनूपतेजलदिमां हास्ते
षटरंमराजरे सूर्योचरमजिहाजरे देवगय
सविनाजरे लोनिंगईतस्सलाजरे २० लाप ही
पायनदहिषारिका ललवंतगिचिंदरांमरे र
षिनसकुरिराजवी मातपितासुतक्षंमरे ति
हंराषिजिनतामरे सरणकिउनिमिसांमरे व्रत
लेईअनिरांमरे वोद्ताशिवसुरवांमरे २१ लाप
नित्पमित्रसमदेहनि सयणांपर्वसणयरे
जिनवरधरमकगारस्मिं
रे राष्मिंमित्रिउपायरे

लोतेहनाअण्यरे २२ ला० जन्मजरामरणं
 दिका वयरेल्लगळेकेनिरि अरिहंतसरणं
 सुंआदरी चवअमनांइषफेनिरि शिवसुं
 दरीघरतेनिरि नेहनवलरसरेंनिरि सिंवि
 स्सुत्तितरुपिनरे २३ ला० इहा आचवां
 सुतअरहस्यो जोरदेविजमक्षमि संयमस
 रणंसंगहं धणकणकंचणवांमि २४ एण
 सरणेसखीयाज्जअ श्रीअन्नायिअणगार
 सरणरह्याविणजिवनां इणिपरिसलेसं
 सार २५ लजः त्रागसारंगदेशीः त्रिजी
 तावनांइणिपरेनाइरे एहसस्सएसंसा
 र करमवसिजिजंनवेतवनवरंगस्सूरे एवेवि

मधकार २६ चेतनचेति श्रे लदिमांतवप्रवत
र नवनाटिकणिजीवउन्नगारे तोबंमोविषय
विकाररे २७ चेप कबदिहजलजलएनिलत
रुमांनम्परे कबहीनरकनिवास बेरंझीतेरं
झीचउरेझीमोहरहरे कबदिदिवचिगेद २८
विणकीनपतंगहरिमातंगपएनंनज्जुरे कब
हसरपसियाल बासएक्षरीवैसवलिकर
हावतो होवेंश्वज्वंमाल रायचेपबीरातील
मचोहटेरमतोरंगस्पूरे
कस्तपनेंज्वसोनागिउरे
विज्वक्षेत्रस्तकाने
चपिणनेम

कल्पसि कल्पं पञ्चवर्णाश्रमं त्रैविध्यं त्रैविध्यं
 द्विजतरुनारीत्वं तत्पुंजजं मातृपिताहीनं
 पुत्रं तद्विजना रिचिने वलिवालहीरे एते
 साहसि सुत्रं त्रैविध्यं पुत्रतन्नातुं जिननाथ्या
 चरित्रसुणी शरणं स मण्यवचरसूजाण
 कर्मविवरवसिम्बुकिमीद्विद्वन्बनारे मन्त्र
 मुगतिजिणनाण त्रैविध्यं इत्याः इमं न
 वरजमेदृष्यया ते जाणिजगताद्य नच
 नंजणत्वावविहरण तन्मिल्येअविद्वन्सा
 य त्रैविध्यं कारणं एकली बीनिरागग
 लणस सविसंसारिजीवस्स धरिचित्तना
 ववदास ३५ दालधरागगतिनिः चोद्धिता

वनविश्राममन्त्रो वैतरणं एव गच्छिरे
मोक्षमार्गसंपन्नवली ईहां भूक्तिसवि
वाक्तिरे ब्रह्मममकरे मम तारे मम ता आदरे
आणिचित्तविवेकीरे स्वारथि आसजतस
कमिल्य सुषुप्तसदेसे एकैकीरे ब्रह्मम
मवदित्वणसक आविमिल्य द्विपतमम
जाइनासिरे दवबलती देवि दहदिसस
ले जिमपंषित्सूरासिरे ब्रह्मम पटवमन
वनिद्विदरयणधुनि वीसं वमदसजस
तारीरे वेदमित्री मिचल्यति एकला दारु
जिमज्ज्यारीरे ब्रह्मम त्रिचुवनकंटकदि
सदधरावती करती गरबपुमां नोरे

विष्णोः शक्तिरिति तादृजं प्रख्या रावणस्य शक्तिराजा
 जीरे अथ मन्त्राज रक्षिते शिरे हि विद्यामतां वेत
 वामाक्षिने शिरे वेदलमिताया अक्षर एक
 जी श्रुतिवृत्तिपरजिह्वे शिरे अथ मन्त्रितकृत्
 कृत्वा कर्मिणो देवीं विजं पिण्डपटपटया
 जीरे वल्लभ्यानी प्रेविहरित एक जी श्रुत
 क्षणिकी मन्त्रिणी शिरे अथ मन्त्रितकृत्
 रवज्जलज्जल जातया मन्त्रितकृत् मन्त्रता
 तन्त्रं तिरोरक्षी वेतनवृत्तिमात्मन अथ चरि
 जीवी मन्त्रात्मनि तीजजन्मवन्तमात्मन हरि
 कर्त्री बंधुकरम जिह्वल विजलकृत
 मन्त्र जलधृतगति वारः ॥ कलरही विष्णुति

ऊजलैरि एदित्रीः॥ पांचमी नवना नारी इरे जि
उंअनित्यविचार आपसचारथएसऊरे मिलि
उंउऊपरिवार ४५ संवेगी सुंदरि बुझमाऊऊ
गागर तादरो कीनदिइणससार उंकीदनीनदि
निरधार ४६सं० पंथसरे पंथिनि ल्यारे किजे
किणसूषेम रातिवसि प्रद्वचिचलेरे नेहन
वाहोकेम ४७सं० जिमतिरथमेलोमिलेरे ज
णवणजणरीवाह कंतोटीकेफायद्वारे लेइ
लेइनिजघरनाय ४८सं० जांकारजजेह
नासरेरे तांतेदावेतेह सूरिकंतातिपरेरे ल
टकदेषामेलेह ४९सं० बुलणिअंगजमारवा
रे ऊंऊकरेजउगेह नरतबाऊबलऊऊऊ

२१ जेजोनिजनानेह एएसं० श्रिणिदुषत्रेबांधिजे
 लिधुवैदिराज दुषदिशेबकतातनेरे दे
 सोसुतनाकाज एएसं० इणितावनसिंवरदुष
 हरे श्रीमरुदेविमाय वीरसिसकीवलजह्युं
 रे श्रीगोतमगणराय एएसं० इहः मोदव
 स्तमनमंत्रदि इंडियमिल्याकलाल प्रमादम
 दिराएएके बांधीजिवन्पाल एत्र करमजं
 जिरजफिकरी सुकतमालसचिलिध अशु
 नदिरसहरगंधमय तनुगीतादरीदीधपध
 जलदरागसिधुः। बतितावनमनिधरो जि
 जंअशुचितरीएकाचारे सीमायारेमानेका
 वापिनसंरे एएसं० देवीजरगंधजरथी उंमहे

भवकोनेमांलेरे तविजांलेरे तिलेउदगलनि
ततनुनकोए पद नगंषालपरिनिचवहै क
कमलमूत्रनंनारोरे तिमधारोरे तवहादरा
नरनारनारे पृष्ठ मांसरुधिरमेदारसे आ
स्वमीजानरचमिरे स्पंरीजिरेरुपदेवीर
आपणुंरे पद कमितातादिककीधली मे
हराम्यनीवेटीरे एवेटीरे चर्मतनीधणरो
गनीए पृष्ठ मंत्रवासनचमासतां कमिपरि
मलमांचसीउ तंरसिचरे कंभिमाछेइमर
होरे छण कनककमरीजीजननरी तेदेष्ण
जगंधच्छुज्यारे तेमफज्यारे मध्वीमित्रमित्र
करमस्यरे धा इत्याः तननी॥

विप्रचकलजंबाल पाचकवृषपांणीनिसुं
 आश्रववदेद्यमनाल १तिरमलपषसदजेसु
 गति तांणवितांणरसाल सुवगतीपरिपंक
 जल इत्येवगुरमराल २ जलउरागधीरणी
 :। आश्रवनाचनाम्रातमरि समजिसुगु
 तसमीप जीव्यादिकनेकरे प्रांमीश्रीति
 नदीपरे १ सुषि २ प्रांणीया परिदरिआ
 श्रवपांवेरे दसमेअंगेकहा जेहनाउष्ट
 प्रपंचेरे २ सु० कंसीजेहिंसाकरेरे तेजहे
 कटुकविपाक परिहीस्मिं गेवासनीरे जी
 ज्वाअंगविपाकीरे ३ सु० मिथ्यावचणिव
 सुनत्येरे संवितपरधनलेई जणअवुद्धेरे

लम्बारे इन्द्रादिकसुस्कीर्षी ७२५० गङ्गाधारे
परिशिरे जम्बूदत्तनयप्रकृत मेधाशङ्खपणे
जजेरे एषंवेङ्कगतिहसारे पयु० लिङ्गोद्धित
नावाजलेरे ब्रह्मिनीरजराय तिपादिसानित
आश्रवेरे पापेविहन्तराक्षरे ह्यु० अनिरति
जगेएकेडीयारे पापस्थानकथादारे तामोपे
वेदीक्रियारे एषं चमेधंमपि नारोरे ७२५० क
टुकक्रियास्तानिकफाजारे नीज्यानीतिरेयं
ग कदतांह्यं तुं कमकमेरे विगन्ततागप्रता
गीरे ७२५०
कविपयप्रपव ७

थावसेरे नरगनिगोदेजात सरवधरश्रुतहा
 रिनेरे अचरांनीसीवातीरे १० सु० हहा स
 नमानसमानसकरी ध्यानअमृतरसरेलि न
 वेदलश्रीनवकारपय करिकमलासनकेलि
 एतकपंकपषालिने करीसंवरनीपाल प
 रमहंसदेवीनजे छोनिसकलजजालः २
 जालः पंती ॥ आतमीसंवरनावनाजी धरि
 चितस्थैकतार सुमतिगुपतिसुधीधरेजी अ
 वआपविचार सत्कारेशांतिसुधाफलवा
 षि विरसविषयरसकुलमे जी अटतीमन
 अलीराषि २ स० लानअलानेसुषेधरेजी
 जीवतमनसमान मित्रशत्रुसमनावना

जी मांनअनेअपमांन ३३० कहिइं परिग्रहबंदि
सुजीरे लेसुअंयमत्तार आवकचितेकंकदा
जीरे करिससंथासेसार ४३० साधुआसंसाइ
मकरेजीरे सुत्रजणीसगुरुपास एकलमलप्र
तिमारहीजीरे करिसमंतेखनखास ५३० म
र्वजीवदितवितवैजीरे वयरमकरिजगति
त्र सत्यवयणमुपनाडीइंजीरे परिहरिपर
नीविश ६३० कामकंटकनेदणनणीजीरे
धरिइंशीलमन्नाह नजविधपरियहमुंक
तांजीरे लहिइंसुषअथाह ७३० देवमण्य
उपसगसुजीरे निश्चलहीइंमहीर जाव
परिसहजीपिइंजीरे जिमजीत्याश्रीवीर

स० इति अष्टमस्तोत्रम् ॥ इत्यादिद्वन्द्वद्वन्द्वद्वन्द्व
ध्यातुधरि गुणनिधायसुकुमाल मितारिजमद
नरमी सुखीसुखसुकुमाल १ इमञ्चनेकमुनि
वरतस्या उपसप्तसंवरताव कवितकर्मभवि
निर्जत्या तेषां निर्जरिषस्ताव २ एतएरागके
देरीगीमीः ॥ नवमीनिर्जरितावता वितचैतो
रो आदरवतपवषाण चचरवितवेतोरिः
पापआलीजगुरुक नी वि० धरईविनव्यसु
जाण १ द्विष वेव्याजवबज्जदिधकरी वि०
इर्वलबालगिलाण वि० आचारजवावक्त
णी वि० शिष्यमाधुनिकिजाण वि० २ तपसी
कलगणसद्यनी वि० यिवरिप्रवर्तिकदृष्टवि०

वैत्यनगतिवक्रनिर्जरा दि० एदसमेअंगप्रसि
ध ३चि० जनयटकथावशकी कि० सुंदरव
लीसिआय त्रि० पोसहसामायककरो वि० नि
तप्रतेनियमसजादि दि० ४ कर्मस्मरणकनकि
वली वि० सिद्धनीकिलीयदोय वि० श्रीगुण
रथणसंवहरो वि० साधुपनिमदशदोय वि०
एशुतआराधनसावदो वि० जोगवदोऊरु
त वि० शुक्रभ्रान्तसूयोधरो दि० श्रीआवि
लवधमान वि० ६ चउदसहसअणगारमे वि०
धनिश्चन्तोअणगार दि० सेमुषिदीरप्रशंसी
उ वि० रवंधकमेधऊमार दि० ७ इतिः इतिः
मनिदासतननालिकरि भानान

दि कर्मकटकनेदननणी गिताज्ञानत्रलावि
 १ मोहरावमारी करी जंकोचणीअवलोयः
 त्रिजीवनमंदिरमंमणी जिमपरमानंदलोयः
 २ जलरूपरागमितीः॥ दशमीलोकसरूपरे
 नावनामावीइं निखणीगुरुउपदेशयीए
 उर्ध्वसुषुप्ताकाररे पगपजलाधरी करदी
 उंकटिराषीइं २ इणियाकारेलोकरे उद
 गलसूरीउं जिमकाजलनीकूपलीए ३ धर्माध
 माकासरे देशप्रदेशए जीवअतंतेशरीउंए
 उसातराजदेसुनरे उर्ध्वत्रिचमिली असे
 लोकसातसाधिरूपए ४ चउदराजत्रसनामिरे
 त्रसजीवलय एकराजिदीस्थविसरेए ६

उर्ध्वसुरालवसारे निरयनुवणनीचं नानि
 नरतिरीदोसुराए ७ दीप्यमुद्रप्रसंगे प्रभु
 पसानली रायरीशिखिवसमुजीवए ८
 सुकुलपण्यालरे लवजोयणलही सिद्धशि
 लासिरउजलीए ९ उचधनप्रसवतीने तेज
 साधिकं सिद्धजोयणनेलेहर्नि १० अजरअम
 रनिकलंकरे नाणदंसणमय तेजोवपनगह
 महेए ११ इति पद्महाः वारयनंतीकरसी
 उ वज्रिवाटकन्याय नाणविनानविसंनरे
 लीकअमणनमवाय १२ लत्रयत्रिज
 मिं डलहाजाणिदयाल वोधिरयणकाजेवे
 उर आगमयाणिसंनानि २७ ल११

तीगः दत्राद्रिष्टांतेदीहिलेरे लाक्षीमणंजमा
 रोरे जलदीकुंवरफूलजुंरे आरजधरिअ
 वतारोरे रमोरजीवनरे बीक्षितावनाइणार
 मीरे नावीसदयमणारि मी० उत्तमकुलति
 हांतेहिलेरे सद्दिगुरुधर्मसंयोगीरे पांचेइं
 डीएनवमांरे हलदीदेहसंयोगीरे मी० सांन
 लिबुंसिंशतनुरे हलजंतसजितधरचुरे सु
 दीमदहणाधरीरे उकरअंगेकरचुरे रमी
 प म्नामयीमधलीलहीरे मूढमुखममहार
 रोरे चिंतामणदेवेदीचरे हास्यजेमगमारो
 रे धमी० लोहकीलकनेंकारणेरे जानजल
 धिमांफोमिंरे पुणकारणीकणनवलधरे

हारहिया नोजिनेरे ५ मो० जीधिरयण उचिपि
नेरे कंण विषयारस दोनेरे काकरमणिस
मोचनिकेरेरे गजवेचेपरहोनेरे द्द मो० गीत
सुणीनटनीकनेरे दुहुन्नकचित्तविचार्यारे
ः कमारादिकपिणसमजीअरे जीधिरयण
संजात्योरे ७ मो० इतिः द्दहाः परिहरहरि
हरदेवमवि सेचियदाअरिहंत दीपरदि
तपुरुगणधरा सुविदितसाधुमहंत एकमति
कदाग्रहमुक्तिं श्रुतचारित्रविचारं नव
जलतारणपोतसम धर्महियामांधारि रूपा
लः १२ मीः मुंगरीयारी ॥ धनिधनिध
हितकरो नाम्मोनलोजिनदेवीरे

नचिसुषदायगे जीवमाजनमन्त्रगिसेवरे १
 नावनासरससुरकेजनी रोपितंरुदयआ
 रागिर सुकृततकलदीअवजपसरती स
 फलफलस्मेअनिरांगरे रजाब्देवसुधक
 रीकरुणास्मे कादिमिथ्यादिकसालिरं
 गुपतिविज्ञंगुपतिरुनीकरं नीकतंसुमति
 नीवालिरं रजा० सिंचीइंसुगुरुवचनामृते
 जमतिकंथेरीतजियंगरे जीधमनादिक
 शकरा वांनरोवारिअनंगरे धना० सेवतां
 एदनेकेवली पनरसेंतीनअणगरं गीत
 मसीसशिबजरगया नावतांदेवगुरुसा
 रे पना० शकपरिजाजकसीवली अर्जुन

मालिशिवरासरे रात्रपरदेत्रीजिपापीठ का
पीठतसङ्गपासरे दत्ता०
दलगे अविचलशासनएहरे
अएजिजजे तेह्छनमतिगुणगेहरे
तिर२मीजावनाः हृदाः
देवगुरु विजयसिद्धधुतिराय
कसदा जणमोतिहनापाय ११
चह्दिनाजीजावीरे
तनमनरयणधर्मलियलावी
पावीरे १ना० ललनाजीवनचितनमोलावी
धनकारणकांधावीरे
बीजीदीइ शिवचरजावीरे काई

नमोऽस्तुते २ ना० जं हनी परे जीव जगत्तो वि
 षय थकी दिरमाकोरे रहित सीष्य मारी मां
 तो जगजस प्रमद्वजाकोरे ३ ना० श्रीजस
 सीम विबुध वयरागी जस चक्र धर्मि चारि
 : तामसीत जयसीम कहे इम धरि २ ही स्व
 क्षरीर ४ हहाः जी जने तनु गुण वर सख वि
 जित हेर सज्जवार जगति हेति नावन न
 ली जे सज्जमेर मजार १ इति नावना स्वाधा
 यः संख्य ददर्श आवल सदिः १ इति थो
 लिः पां विजय सागरे ए जिष्णु सचा इम ज
 हेनवे श्रीबीराने रनगरे श्रीअजित न ३४
 गथजी प्रनादात् शुभ न न च तरां तपा गच्छेः

॥ पंचमहावततं एज्जरे त्रिविधरजिनपादी अ
 एणकटनदीचतरतां एलं नीकिदां राधीरे २९०
 नदीयातणाजीवघणुरेस्करे कांमाथेपामूं
 की मूगतिमारगरषवालाथईने चोरथईकां च
 कीरे २९० जीवहिंसातुथानकजांणी जिनज
 तिमाउथापी संजमकारणनदीचतरतां एलं
 नीकिदां व्यापीरे ३९० गुरुचंदणएकअणादे
 ते नदीयपापआलापी कर्ममयीगेतेवेज्जंमि
 जीया कणधरमीकणपापीरे ४९० दयाद
 यमुपेघणंरेपीकीरे धरमममनविजांणी म
 कलजंजजेणसरणेराव्या नदीयमदेरकांता
 लेरे ५९० इतिस्वाध्यायः ॥

का गुरुतणी जि मज्जदिसुष अपारीरे विनय
 यकी विद्या नणे तपसपञ्चवश्रभरीरे वि०
 गुरुवचर्तलोपीइं नदीकलीइं वचनविधातीरे
 जैत्रोअसननदीवेसीइं गुरुविचिनेविहारी
 वातीरे वि० २ गुरुआगलनविवालीइं नवि
 रहिइं पाबलीइरीरे वरोवस्वनानविराहिइं
 गुरुसातादीजीइं नरक्षरीरे वि० ३ वस्त्रपात्र
 नित्स गुरुतणा पलिलेहीइंदीयचारीरे आ
 सननैसनक्ष्णीइं पाथरीइंसुषकारीरे वि०
 धअशानवशानादिकसुषदिजीइं गुरुआ
 णाइंसुषनिरषीरे विबुधमलस्तरिश्मकदे
 शिष्मथाइंगुरुनेसरिषीरे वि० ५ तिजायः

॥ साहिबनी सेवाने रदस्यो कहेस्यो सुषडषवा
त आणवदैस्यो शिवसुषलदिस्यो ददिस्यो डरि
तसंघात ह्दितो निजरा रदिस्यो जी म्हारा ने सा
दिवरे ह्दितो चरणे रदिस्यो जी १ आर पांवया
त आठ दणीने नचस्त धरिस्यो ने ददस पोता
ना दीस्त करीने एकन दैस्यो बेह ह्दितो निगे
बेने बंधी बने मंधी बीला वेस्यो वार पनरज
एा ने पासन पदस्यो तेरने दैस्यो मार ह्दितो वस
तरपाली अतार उजवाली जीपस्यो बावीस
तेवीस्यो ने हरित जीने चित धरिस्यो वो विसः
धदितो त्रिण पावस सावीस धरिस्यो बेताली
सविश्व तेतीसां ने चोरा सीटाली करि

आतमशुद्ध हिं० ५ अंगविनानी संगत करि स्या
 तरि स्यान्तव जलतीर उदयरतन कहे विस
 लानंदन जय श्री महावीर दहि० इति स्त
 वनम् ॥ राग कल्याणः इससेंदर विचकीन
 हीवांन दे कीन राजान दे इसेसद ० १ पाणि
 के कीट पवन के कांगुरे दस दरवाजा की मंदा
 ए दे २ इसे ० पांचे इरी ते वीस तस्कर नगरी
 कं करत दे रांन दे ३ इसे ० ग्यान की वांन वच
 नर सनेछो दाय मेला जक वांन दे ४ इ ० अजा
 की चकार सुणीत बजागे चेतन राय सुजांन
 ५ इ ० रूप चंद अचु जी के आगे दस मन मांन
 गुमांन दे दइ इति आध्यातम स्तवनम् ॥

॥ चैत्यवन्दनः श्रीतरांगमुखं दृष्ट्वा पद्मरागस
मञ्जरे अनेकजन्मकृतं पापं दर्शनेन विनश्य
ती १ दर्शनेन जिनसूर्यस्य संसारभ्रूतनाशनं
बोधनं चित्तपत्रस्य समस्तक्षीयप्रकाशनं २
दर्शनेन जिनचंद्रस्य सहस्रावृतवर्षनं जन्मदाह
विनाशाय चर्चनं सुषवारम्भि ३ जीवादितत्त्वा
प्रतिदर्शकाय सम्पत्कर्मोच्चाय गुणश्रयाय ४

दिगंजराय देवाधिदेवाय नमो
५ विद्वानंदैकरूपाय जिनाय पर
परमात्माप्रकाशाय नित्यसिद्धात्मने
नमः ६ अन्यथा सरनं नास्ती त्वमेव सरणं मम
तस्मात्कारुण्यमविन रक्षारक्षजिनेश्वरः ७

नहि ज्ञाता न हि ज्ञाता न हि ज्ञाता जगत्रये वीत
 रागपरो देवी न नृती न च विष्मति पु जन्म जन्म
 कृतं पाप जन्म कीटि मुपार्जितं जन्म मृत्युज
 रातं क हन्यते जि न दर्शनात् ८ जं किं विना
 मतिं हं ७ इति श्रे चम् ॥ सामायिक मनसु वै
 करौ निश विकथामदपरिहरौ पण्ये पुण्यो वा
 वोषप करौ जिम न वसा यरलीला तरौ १ दि
 वस जते को ईदिये सुजांण सो ना वं मीलाष प्र
 माण जे ह्मो पु न्य न क वे ते तलो सामायिक
 ली धे जे तलो २ काम का ज घर ना चिंतवै निश
 क पट करी षी जवे अत्रि रौ इ ध्या न मन धरै
 ते सामायिक निष्फल करै ३ आप परायो स

रिषेगले साचीकृतोनहिनले कंचणपथर
समवनिधरे तेसामायिकस्योकरे ध्वंचवतंस
कराजाजेम सामायिकवतपाल्येतेम कदै
श्रीविद्यासागरसीस सामायिकपालीनिस
दीस पंद्रतिसामायिकसिजायः॥ ॥ ॥ ॥
नाजीरबेनोताजी संयमवतनेइषणलागे लो
मोताजी यादवकृतकलंबणलागे लेपपंचमा
हावतनागे वेपर अगतीकृतमैतिजतनुंदोमे वि
एवमीयोनहीलेवे तेहअज्ञानोक्तलनाजी
गी इफिरकिमविषयेवे वेपर लोकहसेवकी
गुणप्रजनिकसे विकसेइरगतिवारी इमजा
णिनेकहोऊणसेवे पापपंकजपरनारी वसे

चरषकीयकरेहोमचंदन सारकीयलाकाजे
 विषदलादलणंनयकीकही कएकिरंजी
 वतराजे धृष्टि राजुलवालावचनरसाला जि
 मअंजससुंमाला तिमविरकररहेतेमतेरा
 च्यो शांतदिमलगुणमाला एतेपशतिरदनेमी
 राजुलतिजायः ॥ दालएनपाएश्वनायनी ॥
 रिषनअजितसंजवअनितंदन कमति
 नायजितमनआनंदन पदमप्रभुजिना
 देवी १ श्रीकपाश्वचिंदाप्रभुधुधुं राफ
 विधनायशीतलगुणगाधुं सेदंश्रीश्रेयं
 सो २ विसकउज्यश्रीविमलजिणेसर ३
 अनेतधर्मश्रीशांतिजीणेसर कुंभुना

३५

यश्चरताथो ३ मद्धिगाथमनिसुवतसं
मी नमिनेमीसरस्त्रिवचुरंगामी मिलीयो
मगत्तनोसाथो ४ एरसताथश्चिविरजि
लोसर अचौचीसैजिनअलवेसर नित
नीतनमविकालो ५ जेजिनवरमनस्सम
अराधे तेमनवंतितवज्जफलपावै विल
सिषेमकल्याणि तस्सधरनवयनीक्षनो ६
इतिश्रीचौदिसजिनवसंरोस्तीत्रं ॥ ७ ॥
॥ धुरसमसंश्रीआदिदेव विमलावल
मंरुण नानिरायकुलकेसरी मरुदेवी
नंदन १ गिरनारगिरवोवांदसुं स्वांमीनि

मकुमार बालपणीचारित्रलीचौ तारि
राजुलनार २ वंनणवाफिजिणंदचंद
मनवंचितपुरण साइणमाइणन्तषे
त तेदनामदहरण ३ श्रीसंषेसरणार
सनाद्य मदिमामदिमंतो गोमीदोमि।
ध्याइये हरोमनषतो ४ चक्रवर्तिपद
वीतजी लोक्षीसंजमनार शांतिजिणे
सरसोलमानितनितकरुंजुद्वार ५ पां
वैतीरयजेनमे ७ दकुतीनरनार क
मलविजैकवजायनै तसपूरजे।
जेकार हइतिणोचतीदीस्ववनमः॥ ३९

॥ एतद्गणाय अथ अतिसंस्कृतमालरीरासलि
 यस्ते ॥ डालगजं वृद्धीपमकारि एदेसी ॥ १
 मुनिवर आर्यसुहृत्ति किं एव कथं वस
 रि नय रिउजेणीसमोसस्या ए चरणकूण
 वतधर गुणमुणिआगर
 रवस्या ए १ वनवा निविश्राम
 ह्या दोऽमुनिनगर एवावीया ए
 मागणकाज मुनिवरमाहृता
 रे आवीया ए २ सेवांणीकदैताम शिष्य
 चन्देकेदना स्पैकाजे आवाइदां ए
 र्यसुहृत्तिनासीस अ

छा नैगुरुतैतिदां ए ३ मागुतुं उम्हापा
 सि रदिदायांनिक प्रासककप्रमदने।
 दीजीएइं वाहनसालविसाल आ
 पिनावसु आवीइहंरदीजीइं ए ४ स
 एरिवारसुविचार आचारिजतिदां अ १
 वीसुपैरहैसदाए नलनीगुलमअधेन
 एदिलैतिसिसमै गुणै आचारिजएकद १
 ए ५ नशसुतगुणवंत सुषीसरुपम रु
 पवंतरलीयांमणीए अवंतिसुकमाल
 सप्तमिचुमिका पामुंसुषविलसैधणौ ए ६
 तिरुपमनारिवत्रीसरुपेअपबरा ससीव्य

णीमृगलोयणीएकद्वैजिनरंशविनोद परम
यमोत्सवं लीलामैत्रतिघणीए ७॥ हानरमा
यमोर्दिदिषणीआणिमिलाइएदेही मधुरे
सुरेमुनिवरकरै सन्नतणीसत्राय श्रवणसुप
रिसांनलिं दोजीआवीकमरनिदाय १ अवं
तिसककमालसणेवितलाय विषयप्रमादत
जीकरीदोजी तनमनलगाय अं० एफषमै
किहांअनुनव्यारै जेदकद्वैमुनिराय कम्म
करैइमसौचनरै दोजीबैवैआनलगाय २
अं० इमचिंत देतांचपनैरै
न आच्योतिहंखतावलो

नमः ३ अ० गुरुताचर एकमतनमीरे
 वेतोमननैकोमि जगदन जशक्ततत्रु
 होजीसुबुबिक्तकरजोमि ४ अ० नलि
 नीगुलमविमातनारै उन्दैसुषजांणौकेम
 सरिकदैजितदचनयी होजीअन्देजा
 एकहुएम ५ अ० परबनवक्तु उपनोरे न
 लिनीगुलमविमांन तेसरसुषमुकसांजसा
 होजीजातिरमरणज्ञान ६ अ० तेसुषक
 होकिमपांमीइरे किमलहीइतेतांमः कए
 करीमुकनैकदे होजीमादरैतेहसंकाम ७
 अ० एकसुषमुकनैनदीसचैरे अधुवसरसव

मान भारी पादोदधि जल कि मग मै हो
जी जिए की धोष य पांन ८ अ० इत जा
दिन कुं जाणतारे मेरुष लक्ष्मी श्री कार
मुक सरीणी को इन दी
इणिसंसार ए अ० नि
रिमारे एरुष फल कि पाक कदै
रग दिवें इक हो
क १० अ० हाल उ श्री शुत देवी समरी
जै प्रणमी जै गुरु पाव रुष न जी
॥ संज मयी रुष पांमी इ
निरधार कमर जी

वीकिसुं लदीयेनिवसकषसर १ क०
 सं० नरकरसकषइणजीवनै यान्यात्रा
 नेतीदार क० सरएतिनरपतिएसयो
 नलदीत्रिपतिलिगार क० २ सं० काम
 लिंतीमीरयकरै परहरिमीतीजा ० क०
 नलनीगुलिमविमानव्व मकनैवैत्रा
 निलाय कुरुजीर सं० तेनणीमकसं
 रिमया द्यौरुजीवारिउ सं० तीजकि
 सीदितकीजीइ लीजीइव्वतसकपतिउ
 कमरजी ५ सं० श्रीआचारिजइमकदे
 अजीअअवैवैवैलं क० वंलीलानलं

लामिल्ल के लगर नसक माल क० पसं
य० दिष्ठा ड कर पालतां येवम द्वावृत धा
र क० माथे मेरु जय मित्री तरिवरु जलधि
अपार क० दस० कुमार कदे उमैसां सले
डन विण किम सप पयाय स० अलया
डन बज्ज सप पकावड तेतो डन गिणाड
स०७ सं० मयणत ऐदं तै करी लोह चि
णा कण पाड क० अगनि फर स कण सहि
सकै ड कर वृत निरमाड क० दस० तपक
रिषी अती आ करी सहि वापरि सह धीर
क० कदे जिन रंग स नट थई

रमकवीर क०९ सं० दालधकृष्टरज
 तैत्रितिकजलोरे एदेनी करजोमीन १
 गलिरहिरै कमरकदै इमकाणि स० २
 णीस्पुदोदिलोरे जेअंगमेनिजशंणी
 १ मुनीसरमाहरै वृतसंकास मुनतैदी
 वानदीनमैरै परिधिरमणीराज मु० २ सा
 चाकरीजांएपाऊंतारै काचासहस्रवए
 ह ग्याननिजरप्रगटीदीधैरै लोभसऊंति
 संदेहरे म० ३ उकडवृतविरपालतारै
 तैतोमननषमाइ वृतलेईअणसणकसं
 रे कष्टअलपजिमयाइ ४ मु० जोवृतले

इसकसकदैरै तोसांजलिमहाजाग
घरजइनिजपरिवारितैरे तवचैअनुम
तिमांन मु० प० घरआदिमाता-नणिरै अ
वंतिसुकमाल कोमलवयणेदीनदैरै
वरणलगादीनालरे मु० द० माइकीमा
दरेवतसुकांस अनुमतद्योवतआदरै
रे आर्यसकहस्तिनैपासः निजैरैनवस
फलोकरै हरिदीमादरीआसरेमा०
७ मुरणनरजाणेनदीरे विलिनाषीणेजा
य कालअदित्योआवस्थइरेसरणनकी
इथायरे ८ मा० जिमयंषीपंजरएम्पेरैवे

वेडपनिसदीस मायावंक्षणमांघ्येरे ति
 मङ्गलिसवावीसरे मा० ए एमुकवंक्षण
 वीगमैरे दीचापिणनस्कदाइ कदेजि
 नरंगअंगजजणीरे सप्रीवकरमारी
 माय १० मा० दाल ५ वातमकादीवत
 तणी एदेशी मयिकदेवबसांनलो वात
 सणवीएसीरे सीवातेएकवातमी अ
 तुमतिकोइनदेसीरे १ मा० वतस्योव
 स्योनागडा एसीवातउकासीरे घरिजा
 इजिणिवातथी तेकिमेकीजेदीसरे
 वा० २ किणधूरतनीलावीउ किणिउ

रकीरनांथीरे बीलै ^अ वजाबोलना दीये
सूरतिकांथीरे ३ मा० वनिशिदिनसुषमं
रहो बीजीवातनजांणीरे चारीवत्तेअ
तिदोदिलो डबलेबीबेताणीरे ४ मा० न
थतिरसनषमीसकै पांणीवलपिणजा
यारे अरसनिरसजलनोजने बीलैब
बेकायारे ५ मा० इहोलीकोमलरेसमी
सुइवउसोनितलाइरे मानसंधारोपाथ
री चुइंसुवउबैनाइरे ६ मा० आसासु
थरापदिरवा वागादिनश्नवलारे तिहां
तोमैलाकलणमा

मा० माथेलीचकराइचो रहिवनुम
 लिनसदाइरे तपकरिवाबेआकरा
 धरतीममवृत्काइरे ८ मा० कृतिण
 उवैतैएसदै तेण्डवनषमाइरे कहे
 जिनरंगनकीजी इं जिणित्ततैड
 षथाइरे एमा० दालध अमलीला
 लरंगाववरनामउलीयांएदेरी ॥
 द्विवैकमरइसमनचित्तवै मुकनैको
 इनामैसिष्यारै जोनईबइंअनुमति
 विना तचपिणगुरुनदायइदीपारे १
 हि० निजहाथइंकेसलुंचनकीये न

ललवेषजतीनउलीधरे गृहवासतज्यो
संजमनज्यो निजमनमान्योतिमधरे
२ दि० नशदेवीमनचिंतवै एतोवेष्टनेशन
इवेतोरे एहवेराव्यांहिवस्तु हिवइं जि
मीइमीगानणीअ०इगेरे ३ दि० वलसां
नलितेएसुंकीयो मुफअसलताउन।
मलीरे उफदेवीनैसुषांमती देईजा
इंतेउषसलीरे ४ दि० उफनारिवत्री
सेवापडे अबलानवलीवनवतीरे कज
वंतीरहतीनिसदिने उफमुषसाहमोति
रषंतरि ५ दि० रंगरातीताहरे उफव्यण

कहे विजोष्योरे अपवृणपदा विन
 रिसु कहिनैरुषामादैकोष्योरे ६
 दि० एडषषमणजेजासैनदी विणजे
 रनदीउककैनेरे जिनहरणनजानारी
 मिली आंषमीएआंसरेनेरे ७ दि०
 डाल७ घरिआवोजीआंवोमोरीन ए
 देशीः॥ अनुमतिदीक्षीमायरोत्ती उ
 कनैषावकल्याणे सफलप्रावतुक
 आसमी संयमवदिजोपरिमाणौ
 १ अनुमति० दिवकुमरतणावंचि
 तफल्या हरष्योअवेतिसकमालो

आव्योयुरुयासैलगादीन साधिंपरिव १
रदिसालो २ अत्रु० सदयुरुनाचरण
कमलनमी नाषेकरजोमीकमारी ३
वदणसमअयुरुमुकनणी संसारस
मुदधीतीलो ४ अत्रु० आचारीजजव
राव्यातिहां वतपेवविधइंसहसाषा
इं धन२एदवाजिए सवतज्यांनरना
रिमिलीइनाषे ४ अत्रु० नडाकदैआ
त्रारिज-नणी उम्हनेकरुएदनिही
रो जालदीज्योएरुमीपरै छुफकालैजा
नीकोरो ५ अत्रु० त

रज्यो नृष्यानीकरज्योसारो जमन्वा
 रिङ्गजंणोतथी अहमिंस्तणोअत्त
 तारो ६ अ० मादोअथायीपोथीदथी
 दीधेत्तेउम्वैदाथो दितैजिमजाणे
 तिमराभिज्यो ताल्हीमादरीएआथो
 ७ अ० सांनलीसुतजउत्त-प्रादसो
 तोपालैनिस्तीदारीद्वणमलमादैव
 तनली पांमैनवकेरउदारी ८ अ० धन
 गुरुजेदनेएशिष्यययउ धनमातपिता
 कलजासो जैदनेकलएसुतऊपनो
 इमबौलावैजसवासो ९ अ० इमक

ही नृपावीवली डषणीनक्रप्रले
इसाधै जिनरात्रलपजलमाबली
धरित्रावीथइत्रवायो १० अ० ला
जग पाऊणीमनी एदेगी ॥ सदगुला
जीहो उमनेककंकरजउहि विरचा
रिव्रलेहदी स० तपकरियानविष्ण
ई करमषपेजेदयीसदी स० र उमवी
अन्तमतिथाइ तउहंअलसएलचर
स० थोमाकालमकारिकएकरिस्तर
पदवरुं २ स० मुनिवरजीहो
अथाइरेवुळ तिमकरिदेवाणयीया
स० चरणेंपुरुतेरेलागि स

* कंटाजाति
 हारुष केरकं
 येरसरीरषउ
 ०॥५

णकीया ३ मु० आब्योजिहंसमसाण
 बलयमृतकक्किधगधगइं ४ मु० बिहं
 मणउविकराल देवंतामनउत्तगइं ४
 मु० वनपित्रीवनइणितांम दीसैजम
 वनसारिखे मु० आब्योतिणमांदि ति
 हांआवीअणसणकस्यो मु० कांटेबि
 ध्यारेणाय ततषिणलोहिकरदस्यो ६
 मु० पगपिमीपरनाल लोहियावसख
 ल्दस्यो मु० सोत्तागीसककमाल क
 तिणपरीसहआदस्यो ७ मु० राक
 सवतिणिवार कीक्षअरिहंतसिधन
 ८ मु० धरमाचारजध्मांन धस्योजिनर

गंनलैमनइ ८ सु० हालण बेबेमुनिवर
चटरपागुसा एदेनी तिणअवसरआदि
एकजबकीरे साएलेईपोतानाबालरे
नषणकरवातेदहदीसफिरे अवली
सबनीतेफालरे २ ति० जरणरुधरनी
आवीवासनारे बालसहितआवीवन
माहिरे शरबवयरसंजारिसोधतीरे वा
वालागीपगनैसाहिरे २ ति० चटश्चसे
दोढेदंतमैरे षटश्चायइलीहीमांसरे च
टश्चरमतणाबटकानरैरे षटश्च
हिमांसरे ३ ति० प्रथ

कीरे एकएचरएतो नदणकीधरे तोपि
 एवेदनकंप्योनहीरे बीजपहरअन्यप
 दलीधरे ४ ति० पाइपीहीसाथलत्रोमनैरे
 पिणनै तिणतेनकरेतिलनररीवरे का
 यमाटिपिमअसासतीरे त्रपताएदुयी
 यादौजीवरे ५ ति० तीजैपहरैपेटविदा
 रीयारे जांणेकरमविदास्यातेणरे चोयैण
 हरेप्राणनजीकरि नलनीयुजमलह्या
 सुषजेणजे दत्ति० सुषदीनाताससरीर
 नारे मदिमाकरयअनेकप्रकाररे कदे
 जिनरंगतिणअवसरमीलीरे वांदणअ

दीसगलीनारि३ ७ तिण० दाल१० नण
इंदेवकीकिणत्तोत्तव्योएदनीजातिः॥
वादीसबैयुसुनणी अमवीदीसिनही॥
नरतारकामनीकिदंणयोधुनीतेकदे
उपयोगीकदेतिणवारकामनी १ वां०
दीयउपदिदायसुं उणमैसिरनाकेस कं
० विलवैयीयविणपदमणी ससनेही
पांमेकिलैसकांमनी २ वां० आव्वाहता
पोहतातीदां डणयांम्यो मरणसुणेद
कां० हाहाकरधरणीदली बुदाआस
मानयणेहकांमनी ३ वां० इतलादि

नमो मीदती व्रतधारी जंतो नरतार को ।
 मनीश्वर लोदी स्रवण मन्दातलो सांभो
 नदी प्रणकरतार को ॥ ५ ॥ देवदी
 क्षेरमायणो दिवै अन्दि सज्जय्या को
 मनना डषक हिये किणो अन्दि चुंपनी
 यजेदाय को ॥ ५ ॥ चनी पबतावे
 करे नापंती सुषनी रास को ॥ ६ ॥ कदे
 जिनरंग धरै जै बनी सैध अनिरास को
 ॥ ७ ॥ दा हा लए मी बलाय लुं दे जे
 मुफरो बे एहती डष नरो ती नारिज
 ती सै गद २ बो लै वचन परलो कै पोद

हतासही सांस्कृजीवमृदुत्ररतन
रुबलायल्युदेज्यो मानुमुकरोरे अरे
नणदीनादीरा अरेअमोलकदीरा अ
रेमनमोदनगाय अरेधीवधीतमप्या
रा दे० २ नशकणिडवणीथेइरे पुत्र
मरणतीव्रात चारपोहरडवमैगम्यारे
पोहतीलिणवूनपरचात ल० ३ कंधी
रीवतहुंढतारे पुत्रकलेवरदीव नश
नारीउजीरडैरे नयमौजलक्षरअ
त ४ ल० द्वियमात्रंष्टेनदीरे
रुंकरेस अंतरजांमिबालहारे यौद

तांलावैपरदेस ५ व० दियडावनि
 तुरायोरे पादणजदोलोद करम
 लीयोफुटैनदी उंबालातणैदिबोद
 छ ७ व० दीयनादरएककंतायइरे नो
 जुअगारेदेद सो जनांफुटोनदी तो
 मोतादरोमेद ७ व० इणपरफरीमा
 श्रीउरकरिचनीरदीरे बाबदी
 येजिममेद ८ व० इषनरिसायरकु
 लयोरे दियमामेनसहाय घेतका
 रिजसुतनोकीयोरे जिनरंगदीअ
 कलाय ए व० दालरमीरीबद

वीकैकाइअचरी जचात एदेरीग
मिघातटउनीरमै मायाहिंनोबलती
जोय आमुक्कनीनाआंए रदियनी
वीयतिवोइ मोरीवइएसुधयैरे
काज १ गयोमुजइयैराज ऊंउय
णीयइआज मोएघरसंदिरकेना के
रनाएधनरास आजायाबीनाकनी
सऊ केदीजीवितआस मो० २ वार
कावेवणा अतधूलकीधूल मो० ३
मातपितासुतकामनी संयोगमिली
अआय वायइंमिलीयात्रादला

यद्द्विषरी जाय मो० ४ दिसेसङ्क एक १
 रिमो त्रिणसतांकार्त्तवार संक्षराम
 तणीपर कारिमोसङ्कपरितार मो० ५
 दाल १२ मोरीबद्दीनीप्रवनिपरदेशी
 ॥ नडाआतीरुमजावे गरनवतीयरर १
 वेजी अचरवधुयोतेगुरुसावे वता
 अष्टतरसवावेजी न० १ पंचमहाव
 त्रणविध्याले हवणसगलातलेजी
 डकरतपकरिकाद्यागाले कलिमले
 पापपषालेजी न० २ अंतकालसङ्क
 अणसणयाले तजीवदारिकदेहीजी

देवलोकनासुषलदेईः चारिउना
फलएहीजी ३ न० केडैगर
तजायो देवलतेणकरायोजी
रणनितोमसदायो महाका
जी ४ न० पास
कुमतिलताजमकापीजी कीरतिजे
हनीसगलेव्यापी सरज
जी ५ न० संवत्सतरेंइकतालीसै
शुक्लआसादकहीसैजी
आतमदिवसे कीक्षीसिकायजंगीसै
जी ६ न० नडाघरव्यावीइमनासै।

रति५

॥ इति श्रीश्रवंतिसककमालवउदीसं
णमिः ॥



॥ वीरवर्षाणी राणी विलणाजी सतीयेसीरोम
णीजांण चेनांनीसतिसतीजी श्रेणिकसिय
लप्रमाण रवीरष वीरवांदीवलतांथकाजीः
विलणादीतीरेनिग्रंथ रातेवनमांदिकजिसा
रहोजी साधुलिंमुगतनोपंथ रवीर सीतवंता
रसबलोपनिजी वेलणाप्रीतमणस चारती
योचितमेवसेजी श्रोतवाहिररहोहाथ र
वीर ऊबकजागीकहेवेलणाजी किमकर
तोहेसीतिह कांमणरेमनऊंणवस्योजी श्रे
णिकरेपत्तोरेसंदेह रवीर अंतेवरपरजा
लज्योजि श्रेणिकदीतीरेआदिमः नगवत

सांसीतांजीयेजी चमकीयेवितनरेसः पवी
 वीरवांदीवलितांथकांजी पैहसंतांनगरम
 जार धूवाकीरदीगतिदांजी अरेअनयक जा
 मार दूची तातनीवचनमांनीकरीजी व्रत
 लीयेनयकमार समयसुंदरकहेचेलणां
 जी पांमसीनवतणीपार पुवी चेलोणारी
 सिगायसंमर्णमि॥ ॥ आखिलालनीदेसीः
 नवपदमहिमासार सांतलतीनरनारि आ
 हेजधरीआराधीये तपांमेनवणार उत्रक
 लत्रपरिवार अखि नवदिनमंत्रआराधी
 ये १ आसमासविचार नवअंबिलनिरक्षर

विष्णुं जिनवरस्त्रीयं अरीहंतसि

गुणलतिरेहजार आ० नवपद

२ मयणसुंदरीश्रीपालः

आ० फलदायकतेह

कंचणवरणीकाय देहतेहनीथा

आ० श्रीसिद्धकमहिमाकष्टौ ३ सि

द्धकमहिमाभार आराधनेतरनारि आ०

जक्षरीदियनेघणु चेत्रमासवलीएह न

क्षरीनेह आ० क्षुब्धोदैसुषत्रिवत

४ इणपरिगौतमस्वांम

नाम आ० नवपदमेहिमा

मसामारत्रिवा अणमितेनिसदीस

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[Faint handwritten notes or bleed-through from another page]

गतिवृत्तपदवंदीः एदेशी ॥ अन्यमंयोगेनरत्नव
 लाक्षी साक्षी अतमकाज विषयारसजालोविष
 मरिषा इमन्मवेजिनराजरेखाणी १ रात्रीजीजन
 वारी अमामवाणीसाचीजाणी समकितगुणसं
 जारोरे प्राणीरात्री ० अनक्षवाचीममरव्यण. २४
 जन दीषकह्योपरधन
 मी जोऊवेदियोगेपांनरे प्रां० २ दान
 युधनेजीजन इतरारातनकीजे एकवारसूरज
 नीमावे नितवचनममजीजेरे ३ प्रां० उत्तमसु ५४
 पंषीपिणराते टालेजीजनटांलो
 मधरावी कुंभसंतीषनआणेरि ४ प्रां०
 नीकीलीवाती जीजनमिजीआवे की०

वमनविकलता एहवोरोगउपायेरे ५५०० विन्तून
 वजीवहत्याकरता पातिकजेहवोपायो एकतल
 वफोमंतासितरो डषणसुगुरुवतायेरे ५५००
 कर्मोतरनवसरफोम्यांसम एकदवदेवतापाप
 अधनीतरनवदवदीक्षजिम एकऊविणजमं
 तायेरे ५५०० एकसीनेचमालीसनवजग ऊवि
 एजनाजिदेष ऊनीएककलंकदेयता तेहवो
 पापनपीछिरे ५५०० एकसीप्रकावननवलगदी
 क्ष ऊमाकलंकअपार एकवारशीलषंन्यातिह
 वो अनरथनीविमतायेरे ५५०० एकसीनेनि
 नापूनवलगषंन्या शीलविषयसंबंध एकरा
 शीतोजंनमेतेहवो करमनिकाचितबंध १०५०

राजीनोजनदीषधुणाबे स्मोकदीएविसतार
कीवलीकहितापारनणम्या वरवकोनिमका
ररे ११प्रांण रातेनितचोदीदारकरीजे सुनपर
णामधरीजे मासेमासेपदमणतो जाँइसीविध त
जीजेरे १२प्रांण मुनिवसतानीएसीषामण
लेनरनारी सुरनरसुषविलसीनेतेद्वे मोक्ष
तणाअधिकारी १३प्रांण इतिराजीनोजनमि
आया ॥ ॥ सीमधरजीसुणज्योमोरीवीनती
उमेकोपरमदयाकरे ॥ ॥
जी सेवकजिनप्रतिपालजी १जी
यंसधरअवतस्या सतकीमातमझाररे

५ गणिजाल
 वंदकदेमा
 हरी सांज
 लोएहअर
 दासरे ५ श्री
 ० इतिश्रव
 नम् ५

ने ५

नलंबणपातलचसे संयमश्रीदृतधरजी
 २सी० आमाजीहंगरवनघणा देवनदीक्षी
 मोनेपांशरे कहेकिणविधआवीमीलु अर
 जकरेमीरीआषजी नसी० एकअलगापि
 एढुकना जेवमेजेनेवितरे अणगमतांदि
 आगलपीरे मनपावेकिमरुवेवीतरे धसी०
 रागद्विषजिणमांदेनही मोपरमेस्वररीदृष्टरे
 चावीयाविणकिमजाणीयेजी केफलकम
 वाकेमिष्टरे ५सी० उजविणदेवअनेरनाः
 माहरेमननसूहायरे सहसमेवालदीसा
 मठा कवणतीबीलीषायरे ६सी० ३मनि
 जरनरनिरष्यौ बलिदेज्योत्रिवचरवासरे ५

॥ वीरजिणे सरवं दिने श्रवणोत्तमस्त्वमी
रेः श्रवन्ती चोवीसीये तीर्थकरवत्तिरे
मीरे १ वी० केदुकेदुता जीवयावते च
गवन्ते मुक्तना सोरेः द्वीनती सुविष्टि
वरकदैः केवलन्यान् प्रकासोरे श्रवण
पदमना न पदिला कुसेः श्रेणिकजीव
या सोरे वीजे सुद्वैव जीवते अमरिद
रीकसुया सोरे ३ वी० ऊदाई कोविद
तणे तीजे सुयादसयासेरे पोहलसि
व्यजिन वीमने स्वयं प्रनुचीये कुरुते
रे ४ वी०

बह्मदायकसिद्धांतोरेः देवशक्तवर्धो प्रभु
 कोरुकीरतं जिवकदंतोरे ५ वी० सं
 षभाचकजीवसातमोः सिद्धिदयतीर्थ
 करजाणोरे आशंदनो जीवआचमो
 जिनदेहाजवषाणोरे ६ वी० नदमोजि
 नपोहलनमो जीवसंनंदनोसाचोरे स
 त्पकीर्तदसमोऽसौ सतंक आचका
 जीवपाचोरे ७ वी० मुनिसुवतश्चा
 रमो देवकीजीवदयालोरे सत्पकी
 जीवतिदारमो अमैमनामनिहालोरे
 ८ वी० वासुदेवकृष्णतेतेरमो श्रीनिक

पश्यस्मन्नीतोरो च वदमजीवत्तदे
चनो श्रीनिष्ठुलाकवदीतोरे ए० वी०
पनरमश्रीनिरममङ्गस्य आवककल
साजीवोरे रोदणीजीवतेसोलमाः वि
त्र्युप्तजगदीतोरे १० वी० रेवतीनी
जीवसत्तरमो समो द्वितीयं करजाणं
रे अदारमसंवरपुत्रु जीवत्तालवर्ष
एतरे ११ वी० जैसीधरजनगणीसमी
दीवायननोजंतोरे अष्टसिद्धकणीनीजी
वते वीसमविजयनगवतोरे १२ वि०
इकवीसममहिमुनिपति नारदजीव

निरागोरे श्रीदेवनामबावीसमो श्री
 चक्रग्रंथमंडेनागोरे १३ वी० अमर
 जीवतेवीसमो अनंतदीरजअनिध
 नोरे स्वयंबुधजीवतेवीसमा नष्ट
 रमधसुनोरे १४ वी० परिवर्देदमानआ
 उषे कल्याणकनादिनसारेरे वर्तमान
 चोवीसीथी पश्चानुष्टरवीधरोरे १५ वी
 १० एवोवीसीआवती पुणमी जैकत्त
 नातोरे कंदेलवधिवीजै गुणगावेडे
 मकरीनेप्यारीसीरे वी० १६ इतिश्री
 वतीचोवीसीसवनं लि० सदाइमलः॥

॥ श्रीवीराय नमः वीरजिह्वा देवो दीने गोतम
वरीये संचिरीया ऐला सधुरनगरी मे गोतमः
धर २ अंगणि फिरीया २ अंश अंश मपक्षरोह
ज अमघरिवदिरणवेला. २

मतोरमते मनगमता पुनिदीठा कंचनवरणी
काव्या निरर्षी मनमेलागामीताः २ अंश ०

कमर अमीर मवाणी एह कदो अजिराम वे
ऐहरिपाये अलवाणा नमकी कदने कामे

२ अंश ० सांजल राजकंवर सोनागी शुभगवे
षणकीजे निरती चारने निरडषण धर धर

निहालीजे ध २ अंश ० आयो अज अन्दारे मि
दिरः कदिस्येति विधकरसुं जे जोईये

गतिकरीनिं नावेनिष्ठादेसुं पञ्चाप इमकदी
 धरतेनीचाल्या आवेमनआणंदे अमंतरां
 एदीदेवीनें विधसुंगीतमवदे पञ्चाप आजअ
 न्हारिरंतनचिंतामणि मेहअमीरसबुग के
 अमअंगणसुरतरुफलियी जेमंगीतमदीन ॥
 पञ्चाप रेवालुमाबजगुणवंता गणधरगो
 तमअव्या घालनरीनें मोदकमीता नावेक
 रीवहिराव्या पञ्चाप वंदिपायकंवरमुनी
 वरना हाथमेलायोमाथे बोल्लावौकह
 तीमाताजी इमकदीचाल्योमाथे ॥ पञ्चाप
 ऊंमरकहेंजीनाजनआपो नारयणीकुरु
 पासें गीतमकहेअमेजेहनेआहुं चारिव

ज्येष्ठमणसै १० अ० ० कंकारिउलेईसउमणसै
 नारहीमुफदाथे गितमरखेअनुमतकेदनी
 मायमोकज्योउमसाथे ११ अ० ० गुरुगोतसो
 नेइमजाणि दिहादीक्षीतेदने वृद्धफनिने
 जोलावीदीधुं फनिमारगद्योएदने १२ अ० ०
 तेमंभराथेअयमतौचात्पो साधुसंघतेवनमे
 नांनकजेसरनरिंनरीयो देषीहरष्येम
 नमे १३ अ० ० नांनकनोसरोवरनांनो नाज
 ननावकरीअयमंती बलतांतेसाधुजीदेखे
 बालकुरांतरमतो १४ अ० ० बोलावैमुनि
 बालकने एआंपणनरिंकीजे लकायज
 वविराधनकरतो डरगतिनाफललीजे
 १५ अ० ० लाजघणीमानमाहेऊपनी मतो

सरणमेवमिच्छति श्रीरवीश्वरवद्वितीयमिहमतो
 आनन्दकमनभावे १८३० केवलस्य नति
 हांऊपनौ धनरक्तनिअयमत्तौ अद्यमनेते
 वारिषाली तेमुनिमुगतेणोदतो १९३० गो
 तमअदिअयमत्तौसिरषा गुणवन्तारिषीरा
 या लिषमीरतनकरजीवीवन्दे तेमुनिवर
 नापाय १८३० इति अयमत्तारिषनीसि
 जायः ॥ ॥ धर्ममं पलमहिमानिलौ धर्मसौ
 वहीकोई धर्मसुखदेवता धर्मेशिनम्फवहोइ
 १८० जीवदयानितपालीये संयमसतरवका
 र नहिनेतेतपत्तये धर्मतणिएसाह १८० जि
 मतरुवरनेरुलमे नमसिरेतलेजाय तिमसं
 तोकेआतमा जिमस्तु पीमन्धाय धर्मइणवि

धिविचरेंगोचरी विहरेसुधआहार उंचैनीचैमा
ऊमऊले धनधनतेअणगार सधप मुनिवरमधक्क
रममकहा नहीनिरासनदोष लाभेनामोदेहने
अणलधिसंतोष पधप अज्ञयणएहिलेंडमउ
णी सधराअरथविकार उन्पकलसशिष्यजे
तसी धरमेजयजयकार दधप प्रथमाधय
तमिज्जायः १॥ कसररुवे० एदेरी। दिहाइ
हेजीआदरेजी कामनोगफलवांनि सकल
वसिडधमगपणेजी वैरागेरंगमांनि मुनीसर
धनधनतेअणगार नोगतजीजोगआदरेजीते
हनेऊबलिहार २ मुजी० तनवालेनूलोचक्
तीजी नकरेंलील्लिगाव जाणेनकी
जी ऊणऊणउणतिमोरि ३ मुप क

अकरीजी कीमलनकरेदेह रागद्वेषतजिफह
 आजी जिमसुषपांमेअवेह धमुपअगनिकंनज
 तेपनेजी अंगधनकलसाप वम्पौनवांवेरिस
 वलीजी तिमकलआपणेशाप मु०५ धिगधिग
 त्ससवांबतेजी वांवेवम्पौआदार जीव्यांथी
 मरणोतलोजी निलजनलामेवार मु०६ नारी
 सारीणरकीजी देषीदेषनमूल वायुऊकोल्या
 त्सपमेजी अथिरक्तर्दसिमूलि धमु० जिमहा
 यीअंकशवसेजी थिरवांमआवेतेम राजम
 तीमतीहूऊव्योजी थिरवांमआयोरथनेमि
 धमु० अअयणमांमणउडीचंजी बीजेएहा
 वचार श्रीउत्पकलसशिष्यजेतसी वणमेर
 नमणार एमु० इतिवितीउ अधावनमिकायः

॥१२३०॥गीतमसमरीजे मनवंचितफलनौ
दातार लबधिनिधनमकलपुणआगर श्री
चरनमांतप्रथमगाणभार ॥१२०॥गीतमगीत्रव
वदविद्यानिधि दृष्टरीमातपितावपुनृतः
जितवरवाणीसुणीमनहरवौ बीलाओतां
मिहंरुत २१० पंचमहाव्रतवेईप्रनुपासै
द्येजिनवरविपदीमनरंग श्रीगीतमगाणध
रतिहाणुय्या शरबचवदवजसअंग ३
१० लत्रवेअष्टापदगिरचढीया चैत्यवद
नजिनवरचवरीस पनरेसेतिरोहरताप
मः प्रतिबोधकीशानिज्मीम ३१० अदत्तु
तएहसुगुरुनौ अतिमय
जनांण जावजीदबठबठतपपारणौ आप

एवेगीचरीयेमध्याने ५९० कामधेनुसुरतरु
 चित्तमणि नाममादेजसुकेरीनिवासः तद्
 सुगुरुनीतामजपता लज्जेलिषमीलितविला
 स दृष्टलानघणीविणजेत्मापरि श्वेपद
 एकसलेवेम श्रीगीतमगुरुनीध्यानधरता
 पामेउत्रकलरबजधेम ५०७ श्रीगीतमस्व १
 मीतणागुणगातां अष्टमहासिद्धीकवेरेनिध १
 न समयसुंदरकदेसुगुरुप्रशोदे उन्मत्तद
 यप्राप्तौपरधन ५०८ श्रीगीतमस्वाध्यायः
 उन्नीश्रीगीतमस्वामिप्रतायतमः मालार
 करीजेस्वर्यदियवेला मनवंबितकार्यसिद्धी
 ॥ श्रीजिनेशयनमः इत्याः श्रीनिमीसरवरण
 जुगः अणमुंजतिप्रज्ञात बावीसमोजिनवरगु

सः ब्रह्मचारी विष्णुतः सुंदरि अपचर सारिषी रति
समराज कुमारि नरजीवन प्रेजुगति सुं कोमी राज
लनारिः ब्रह्मचारि जति एणलीयो अरतो डवर
जिह तेहत एण वरण वुं जिम एवन ऊइ देह
सुरगुरु जो एते कदे रसना अहम वणिइ ब्रह्म
चरन ना गुण घणा ते पिण क ह्यन जाइ अ गलि
त पलित काया छई तो दिन मुं के पास ते स एप
एजे ब्रत धरे लंब लिहारी ताम एजी व विमस
जो इह विषय मरा विगमार छोना सुषने कारणे
हरष घणी महार दद सहण ते दोहिली लाक्षेन
रत व मार पाजि शील न व वा मि सुं अफल करी
अवतार अ म न म सु कर मोही र ह्यो ए देवी सी
ज सुरत रुचर सेवीइ ब्रत माहि गिरु यो जे हरे
दन क दाग्रह छो निने श्रीइ

जिनसासनवनअतिनलो तंदतवनअनुहाररे
जिनवरवनफलकतिहां करुणारसनेगाररे २
सी० मनयांणेतसरोपीयो बीजनावनाबंनरे ३
शसारणतिहांचदे विमलविवेकतेअंनरे ३सी०
बलसुदष्टिममकित्तनलो बंननवीततदाहारे
साधिमहाव्रततेदनी अणुव्रततेलगुसाधरे ४
सी० आचकसाधतणधण गुणगणपत्रअनेक
रे मंकरमसुतबंनो परिमलगुणअतिकरो एसी
उत्तमसुरसुषकुलना शिवसुषतेफलजांणि
रे जतनकरीद्वाराबिबौ हीयमेअतिरंगआणि
रे दृष्टी० उत्तराध्यायनेमोलमे बंनसमादीएदरे
कीधीतिणत्तणपती एनववाहिसुजांणरे ७सी
० द्वादहा द्विवेशणीजांणीकरी राविप्रथमएवादि
जीएजांजीपेअसी आंणिप्रमदाध्यादि १जेद्वन्ते

हनषलकति जमदागत्यमयमत्र सीलवृक्षकण
 सी वान्निदिवाग्निवरत्त २ जल २ नणदलरी। एदे
 श्रीः नावधरीनितपालीये गिरुव्योचलवत्तमा
 रदो नवियण जिणयीशिवसुषपांमीये सुंदर
 तनसिणगारदो ज० रस्त्रीपसुपं। नगजिहावये
 तिहारहिचौनवरासदो ज० एदनीमंगतिवारी
 इ० वतनीकरेयविणसदो ज० रना० मंजारीमं
 गतिरमे रूकमस्यसगमीरदो ज० ऊसुलकि
 हांयीतेदने पामेडुषअतिथोरदे ज० रना० अग
 निकमपासेरदो प्रधनेष्टतनीऊनदो ज० नारि
 मंगतिडुरुषतो रदेकिसीपरिवंनदो धनः सी०
 सिंहगुफावासीजतीरदो कोस्थाचित्रसालदो
 ज० उरतपन्नोवम्रितेदने देसगयोतेणलति
 ज० एमि० विकलअकलेविणपांता पषी

करताकेलिहो नः देवी लषमणामदासतीः
 सलीघणमंशिमेलहो नः दत्तात्रेय वितचंचलप
 मतानरा वरतेतीजीगिहो नः तजिसंगतिते
 हती कहेजिनहरषक्रमेदहो नः उमादेव
 ॥ अथ वानारी एकली नलिनसंगतितास धूर
 मकथापिणनकद्वी बैसीतेहनेपासि रते
 हरीअवगुणजवेधणा संकापामेलीक अ
 वेअबतीआलमिर बीजीवानिविलीक २७
 लः वकहरजवेअतीकजलोरेएदेवी ॥ जा
 तिरूपकलदेसनीरे रमणीकथाकरेजेह
 तेहनोब्रह्मब्रतकिमरहेरे किमरहेब्रतसुने
 हरेप्राणी एतारिकथानिवार हतोबीजी
 वानिविवाहप्राणी नारी० चंद्रमुखीमृगलो
 यणीरे वेलीजांएचुजंग दीपमिश्रायमना

सिकारे अक्षरप्रवालीरंगरेखांणी २ना०वांणी
 कोइलजेद्वारे वारणऊंनउरोज हंसगमणि
 कसहरीकटीरे करयुगचरणसरोजश्रांणी
 त्रना०परमणीरूपेचरणचैरे आंणिविषयमन
 रंगमुग्धजोकइमरिंऊचैरे वामेअंगअनारि
 श्रांणी धना०अपवित्रमलनीकोथलीरे कल
 हकाजलनोतांम श्रोत्रइग्यारवहेमदारे च
 रमदीवलीनामरेखांणी ५ना०देहउदारिकक
 रमीरे विणमेलुंगरथाइं सपतध्वजरोगऊली
 रे जतनकरंतांजाइरेखांणी धना०चक्रीची
 थोजांणीचिरे देवेदीतोआइं तेपिणविणमे
 विणसीयेरे रूपअनित्यकदाइरेखांणी ७न
 नारिकथाविकथाकहीरे जिनवरडीजेअंग
 अनरथदंनअंगसातमेरे कने

संगरिशांणी जनाप ह्वाः उल्लवारिजोगीजती
नकरेंतारिप्रमंग एकणिआसणवैसता थाइ
वृत्तनौत्तंग रणावकगालेलोदनें जीरदेंपाव
कसंग इमजांणीरिशांणीया तजिआसणत्री
यरंग २ छत्तध धिमीदागरलालवः एदेः श्री
३ जीवागिदिवेचित्रविवारी नारिसहितवै
सद्वैतिवारेलालः एकैआसणकामदीपावै
चऊथेवृत्तनेदीपलगावैलालः २ श्री० इमवै
मतांआमंगी थाइ आसंगैकायाफरसाथें
लालः कायाफरनेविषेरसलमो तेदृष्टीअ
वगुणथाइअमोलाल २ श्री० जीवैश्रीसन्त
तपसिधो तनफरमैनीयाणिकीधोलाल वा
रमोवकवृत्तितेअवतरीये विवेप्रतिबोधते
दनेदीयोलाल ३ श्री० तेदनेपिणउपदेसन

५ नरकतणी साची सदिनाणी लालः एद्वै आसण एव एज
लागे विरतिका यर थई नागो लालः सातमीन
रक्तणा डष सदीया स्त्री फर से अव गुण इम
की दीया लाल धवी ० काम विराम वधे डषा
णी पर हरि निज आतम हित आणी लालः परी
० मा इबलिन निज वेटी थाइ ते बे सिने ऊची जा
इ लालः कल पे एक णि मुजर तपावे बे सिने
जित हर सु आले लालः धवी ० इत्याः। विरलि
षत जे सतली ते जो एदी नाहि के वली तांनी इ
मक ह्यो दस वै कालिक मादि १ नारि वेदन रप
ति थयो चषु कसील कदाइ लषन वचो धी
वामित जि सली यो रूपी राइ २ जल ए मो हण
मुदरी ले गयो देत्रीः॥ मन हर इरी नारि नादी
गांव धे विकार वागुरिकां मीष्ट गनणी दो

सरस्यौकरतार सुगुणरेनारीरूपन जीर्णये जी
 र्णयेनहीधरिरमांसु० नारीरूपेदीवजी कामीच
 सषपतंग जंप्तेसुषनेकारणेही दाजेंअंगसुरंग
 सु०२॥ न० मनगमतारमताहीजे उरकचवदनसु
 रंग नहरअहरनोगीमस्याही जीवतांउत्तंग सु
 रता० कामणगारीकामिनी जीतौमयलसंसार
 आप्रिप्रणीवनेकोरणीही सुरतरगयासकह
 र सु०३॥ न० हाथपावबेछाकवे कांतनाकवि
 एजेह तोपिएमोवरमांतणीही ब्रह्मचारीत
 जेतेह सु०४॥ रूपेरंतासारिषी मीनबीलीन
 रि तीकिंजीवेंएहवीही नरजीवतव्रतधारः
 सु०५॥ अबलाइंईजीवतां मनथाइंवसिजेमः
 राजिमतीदेवीकरीही उरतमिणोरहनेमः

सु०७ रूपरूपदेवीकरी मांदिपनेकांमंध ७४
मांणेजांणेनहीहो कहेजिनहरष्वचंध सु०७
इहा संजोगीपसिरहे ब्रह्मचारिनिसिदीसः
कसलतेदनाव्रतनणी नाजेविसवावीस १ वसे
नहीऊटीअंतरे सीलतणीऊइहाणि मनचक्क
राषिवा दीयेभरोजिनचाणि २ जलधश्रीचंदा
चुशऊणेरि एदिशीः। वानिदिवेसुणोपंचमरि
शीलतणीरषवालरे बूरोपमसीतोमहीरे व्रत
थासीविसरालरे १ वाण परीयवजितरेअंतरेरे
नारिरहेजिहांरातिरे केलिकरेनिजकंतसुरे
विरहमरोनिगातिरे २ वाण कीईलजिमटऊकेल
वेरे गावेमंधुरेमादरे गदमातिरहतीथकीरे :

सुरतिमरसजनमादरे इवापरेवेविरहाकलथ
ईरे दाभीषदवजालरे दीणिंदीणिंवयणनरे
कांमजगावेजालरे इवाप कांमवसेदमहमहसे
रे जियमिदोतनतापरे वातकरेतनमनहरेरे वि
रहणिकलेविलापरे पवाप रागविषयसुषुब्ध
सेरे हासेअनरथहोइरे रामघरणीहान्मायकी
रे रावणवधय्यो जोइरे इवाप ब्रह्मचारीनदिसं
जलेरे एहवाविरहीनीरावैणरे कहेजिनहरष
भीरपटलेरे चित्तवलेसुणिसंणरे उवाप इहवा
बडीवामेइमकहो चंचलमनमदिगाइ बाभीपी
भीविलसीयो तिणिसुचित्तमलिगाइ इवापमनो
गसुषुषारध्यां अपेनरगनिगोद परतिषनो

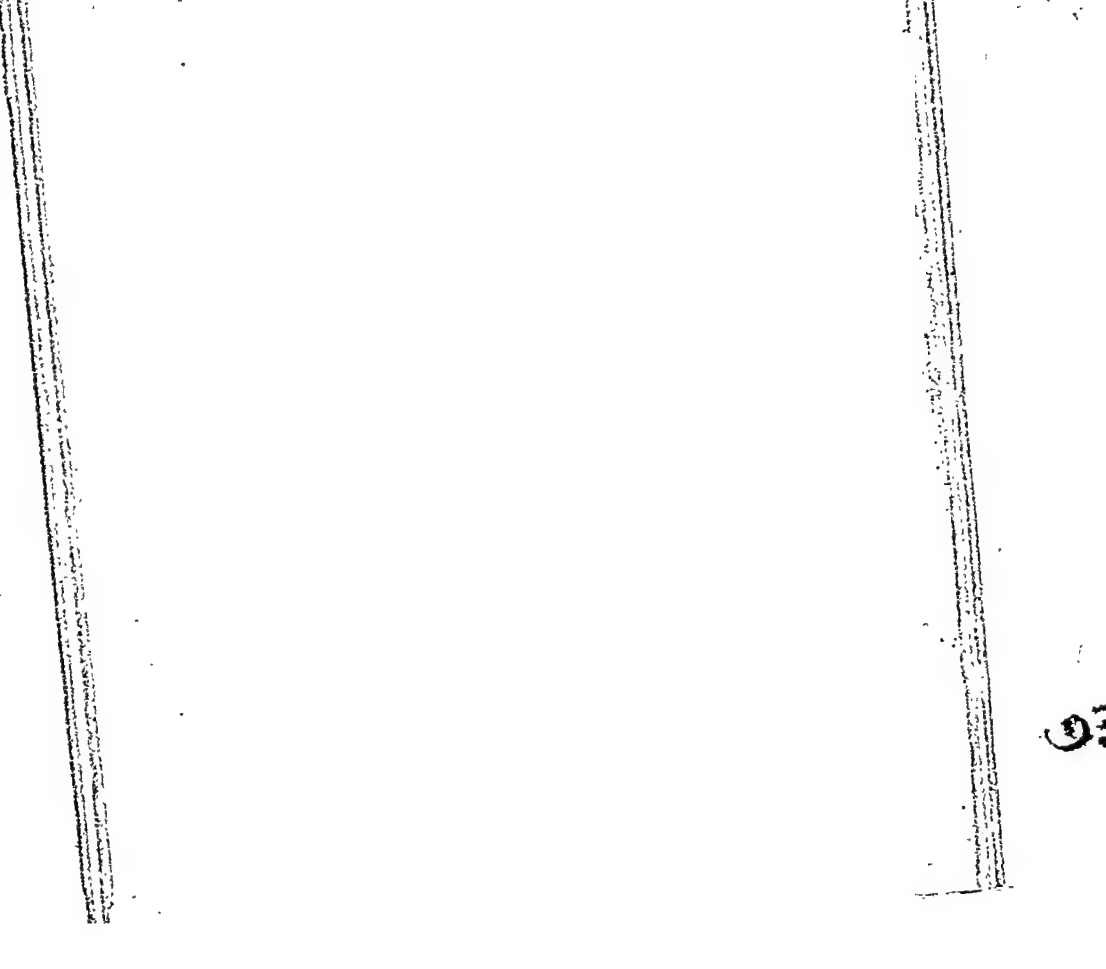
कद्विचौकिक विलसेजेद्विचोदरदालं अज
नदेजोदीसेनादलो एदेशीः नरजीवनधनमान
ग्रीलही पांमीअनुपमनोगः पंचेईनेवसिनोगया
पंचेनोगमंजोग १ न० तेरीतारेब्रह्मचारीनही
धुरिनोगवीयासुरर थासीविससालसमीपमां
रीतास्याद्यै ७५ २ न० सेरमाकदीअंमजजाणी
ये जिनरवितइणिनाम जदतणीसिष्वासक्त
वीसरी आमोदितवमिकाम ३ न० रयणादे
वीअनंमपजोईये सरवरीतिसंनारि तोतीवी
करवालेंविंधीयो तांष्योजलधिमजारधनंजो
वोजिनणजिकपंमितथयो नकीयोतासवेसा
स मूललगीविणवीतिनमनधरी सुषमंजोग
विलास ५ न० सेलगाजष्येततविणकधूस्यो
मिलीयोदितनपरिवार कदैजिनहरषनसरव

लक्ष्मीया संतरेंतरनारि हृत् ॥ इहा धारायावर
वरा मीठातो जनजेह मधुरामउलकसाश्ला रस
नासकरसलेह एजेहनीरसतावसिनही चाहे
सरसआहार तेषां मेखषाणीया चउगतिरु
लेखंसार २७ लः ८ नायकमेहनचाचीये ए
देखीः ॥ ब्रह्मचारीमंतलिकातही निजआतम
हितआणिरि कामिमनांजेसात सुणिजितवरनी
वांणीरे १३० कवलजरेऊपासतां घृतविंदस
रसआहारोरे तेहआहारनियारीये जिणथी
वधेविकारोरे २३० सरसरर दतीआहारे ह
धदहीपकचांतोरे पापश्रवणतेहनेंकह्यो उ
तराभयनेंमोनीरे ३३० चक्रवर्तिनीरसवती
रसेकथ्योचुदेवोरे कामविमंवाणतिणिल
ही वरजीवरजीनितमेवोरे ४३० रसनातो

जिल्लीपी जंपटलेणमवादीरे मंपंआचारि ।
जनीपरे पामेंऊगतिविषादीरे ॥४०॥
मिप्रमादीयो निजसुतनी राजक्षनीरे राजा
रसवती वसिपन्नो
च० सबलआहारिवलवधि -
वेदीरे वेदेवतषमितकूप कहेजिनहरष
उमेदीरे ७४०॥ इत्या अतिलीधेआहार
गलेरूपबलकांति आलम
दीषअनेरुकहिति १४०॥ आहारविमचदे
धलेजफाटेपेह भुंनअमीमोकरतां हांमीप
हनेट २॥ ल० जंलदीपमजार एदेवी॥ ३
रुषकवलवती जीजनविधिकही अठा
वीसतारिणीए पंगमकवलवौवीम अ
धकेप्रणहेइ असाताअतिघणीए

तधरनरतारि यायेतेहनेकणोदरीयेगुणघणा
ए जीमेजासकजेहनेहनेगुणनही अतिचारए
इततणए २ जोइकंमरिकमुणिदसहसचरसल
मिंतएकरिकरिकारादहीए तिणनागेचारित्र
अस्योराजमे अतिमात्रारमवतिलहीए ३ मे
वानेमिष्टान्न विजननवनरा आलिदालिष्टत
अविकाए जेजतकरिनरसर सत्तेविसिस
मे कइतासविस्रविकाए ४ वेदनसेहीअपा
रआरतिसइमे मरीगायोतेमातमीए कहेचि
तहरषप्रमाण उबोजीमीये दानीकहीएआ
वमीए ५ इहाः॥ नवमिवानिविचारिने एालि
अद्यानिरदोष प्राप्तिस्ततषिणप्राणीया अवि
चलपदवीमोष २ अंगविदूषातिकरे जेसंजो
गीहोइ उह्लचारितनसोनवे तेकारणनरिको

५२ दाल ११ वीर उद्दिगजय की ऊतरी: एदे श्री:
सी जान करे देहनी न करे तन म्रिणगर ऊगट
ए पीठी वली न करे किण ही वारी १ सुणिचेत
न: चेतन सुणिचंति मोरी वीनती तेने सीषक
रूहित कारी सु० अंकनी: ऊन्हा ताजानीर
सु० न करे अंग अंगील की सर चंदन ऊम ऊम
याते न करे घीली: २ सु० घण मोलाने ऊजला
न करे वस्त्र वणव याते काम महा बली चउथा
वृत्तने धावो ३ सु० कांकाण ऊमल मूदनी मा
लामोती दार एहिरे नही सी जानणी जे थाये
वृत्त धारे ४ सु० काम दीपन जिन वर कथा नृप
ए दूषण एह अंग विद्वषा टालवी रुदे जिन
वर पसनेह ५ सु० दाल ११ आपस वारथ ज



॥ ८ ॥ जे ब्रह्मपि ब्रह्मनिमदीपि दोयस्त
रजदोयचंदोजी तासवीमांनैश्रीक
षणादिकः शास्त्रतानामजिणंदोजी
तेहजणीजगतत्राशितिरषी पूर्णमैल
वीजतचंदोजी बीजसंणारापोध
मनुंबीजे ह्मनीत्रांतिजिणंदोजी १
इहनावब्रह्मनैदेहजौ चोवीमेजि
नचंदोजी वंक्षणदोयकरीनेहरे यंम्या
परमानंदोजी उदध्मनदोयमत्तमतं
गजः नेदनमत्तमयंदोजी बीजतणेदि
नतेआराधे जिमजगमांचिरनंदोजी २

इति धर्मजितराजप्रकाशे सत्मत
 सरणमंनो एजी निश्चयवत्तहारदिजं
 सु आगममधुरीता एजी नरकतिरि
 व्यगतिदोषनहोइ बीजजिह्वेआराध
 जी इति धर्मद्वारा वसधावरकरी कर
 तांसीवसुषसाधैजी ३ बीजवंदपरै
 जणनूपित दीपैनिखवटवंदाजी गु
 रुद्वयकनारीकषकारी निरवाणीसं
 खकदाजी बीजतणौतवकरतांचति
 ने समकितसानिधकारीजी क्षीरदिम
 लकविसीसकदैनय संघनोदियननि

दारीजी ४ इतिबीजघट्ट द्विवैपंच
मीरीघट्टलीपीयेते ॥ पंचवरणकल
शेकरीजितनौ जन्ममहोतवरंगैजी शे
वनकलशेस्करनीपजावे मेरुमदीधर
शृंगेजी सफुद्धविजयकुंलकमलदि
वाकर मातशिवादेवीलंदाजी पंचम १
नोतपकरतांलदीये नविमनपरमान
दाजी १ पंचवरणजिनवरचौतीसा प
चमगतिनाईशाजी पंचप्रमादमदलम
ईशा जसमनरागनैरीसाजी पंचनोग
तमजेददिनेशा सैवैस्करनरईशाजी पं १

लो)

चमीनोतपकरतालहीये दिनदिन
धीकजमीसाजी २ पंचमहाव्रतधर्म
कासे समचचारणजिननाणेजीः पंच
प्रकारेआगुमनायेः सरसकधारस
वाणीजी पामीनाएतदेवाकारणः पंच
मीनोतपकीजेजी पांसतिमांसेपांचमी
कजमः मानव नरफलजीजेजी ३ पा
चवरणनाचरणपहिरी जिनपदपंक
जजमरीजी नेमजिएंदतणायुणगावे
श्रीअंवाईअमरीजी पंचमीतपनीसा
नीधकाही शुतदेवीसुषकारीजी धीरवी
मलकवित्रीसकदेनयः श्रीसंघविघ्ननि
वारीजी ४ इतिपंचमीयईसैइणमिः॥

॥मंगलआवकरैजसुआगल नावधरीसु
रगजजी आवजातिनाकलनानरावी नव
रावेजिनराजजी वीरजीनिनारजन्ममहोत्स
वःकरतांशिवस्वरवसधिजी आवमनोतपक
रतांअधर मंगलकमलावाधेजी १ आवम
करमवयरीगजगजनः अष्टापदपरिवली
याजीः आवमआवस्वरूपविचारी मत्तआते
जसगलीयाजी आवमगतिपोताजेजिनवर
फरसआवनदीअंगेजी आवमिनोतपकर
तांअधरमधरनिनुतिनुवाधेरंगेजी २ आ
तीहारजआववीराजेः समवसरणजिनराजे
जी आवप्रकारेआगमनापितः नविजसंसूय
नाजेजीः आवमाहाप्रवचननीमाता पालोनि
रतिचारीजी आवमनिदीतैआवप्रकारै जीव
दयावितक्षारीजी ३

મેવ નવફલ જીજી મિદ્રાદેવી જીનુપદ
 સેવી શ્રાવમાસ સિદ્ધી જી શ્રાવમનોત
 પકરતા જહીયે તિરમજ કેવલીનાં જી
 ધીર વિમુજક વિસીસકદેતર તપધીકૌ
 ઠકજ્યાં જીઃ ૪૪ ઇતિ શ્રાવમનીષ્ઠુ ઇતરણ
 ૫ શ્રીનિજિનવરસચલકપકરઃ જાદત્ત
 કલસિણગાર જિકંતરાજુલનારિકેરોઃ જ
 નમયીચત્તવાર જેવિસ્સરં જનવાનિષ્ઠં જનઃ
 ગ્રાંધલવનસાર એકાદશીદિન ઇણમીયેઃ
 જિનગિવાદેવીમજ્જાર ૧ ઇગ્ગારપ્પતિમાદેશ્વર
 રતિં વહ્ણોનિરમજધ્યાન વોવિસજિનવરત
 તિકરતાં લહોશ્ચમર વિમાંણે એકાદસીદિન
 સર્વજ્ઞમઃ સકલજ્ઞાસ્વ મંમાણ ૨ ઇગ્ગારપ્પ
 વોપરતિવૃણી હંજલીલંમાત્તાઃ તિમ્મજિનવિ
 ત્ત્વધિગત્તહવણચાવપીસવીજ્ઞાલ હમકજ

વરિવરસેશ્વરી
 જીજે તપતળો
 પરીમાણ

જરેવર

मीनेसफलकीजिः मन्त्रजनीअवनार एकादा
शीदिनसुगुरुमुषधी सुणोअंगइग्यार बुद्धि
सुगुटमंफित कुंजलसोजितः विमलमोति
हार धणजुगलअवलीकसिणकुसीउं क
बुकजिमजलधार अंबिकादेवीदवसेवि
गोमेधस्करनीनारि कवीधीरविमलस्करा
सकरै नयसंघने सवकार धइति एकाद
सीष्टई ॥ चउदसपनसुचित हरि १जि
त सिधारयकुलचंदाजी चोदरयणप
तिनरपतिवंदित तिसलाराणीनदाजी
सरीलंचनवांने सोदेवीरजिणदाजी प
षीपर्वकसुदिनचउदस
दाजी १ चउदशीदिनजिनचंदावजादो न
चधरीनविशालिजी
हीनेः पांम्याशिवरूपपोणीजी चउदराज्य

ऊपरिजेयोदृता चउदशीदिनआराधने
जी चउदशानपकरतो नविजमनेः चउ
दसविद्यासाक्षीजी २ चउदशदेवमिलीने
विरचे गहत्रिणहंपरिमाणजीः चउदस
हससुतिपरिकरसकत बेसेश्रीजितना
णजी चउदहरवअरयेनपदेष्टे निक
णेपरपददारजी जीवदयाचउदसदिन
पालो प्राणीचउदप्रकाशी ३ चउदस
लुवनसिक्करवावरवा शिवरमणी माग
तंगयकुनीघरणीजी चउदशीतपलुमा
धनिधकरणी दिवादवराणतनुवरणीजी
नयविमलकहेजितअहमाराणी सक
नसंगहुरवदरणीजी ४ इतिचउदशायु
हसंहरणम ॥ लि ० सकेशमज ५ सं ०
एवदमीतीपोसकटे १२ बिकातेरनये

॥ मासजीतीदनयणारेवीविद्युत्तरही एतेहीः
 प्रच्छजीतीरजिणंदनेवेदिथे चीवीसमांजिन
 रायहो विसनानाजाया प्रच्छजीनिनांमथी
 नवनिधिप्रसंजै नवडुषसवीमिटजायहो
 वि० १५० प्रच्छजीनीकंचनवरकरसातनो
 जगतातनीउएततुंमानहो वि० प्रच्छजीनी
 मृगाएतिलंबनराजतौ नाजतोमदगजमान
 हो वि० २५० प्रच्छजीमिहारथनगवंत हो
 सकारथकलचंदहो वि० ३० नक्तिवत्तल
 जिनडुषहकं सरतरुजिमसकथकंदहो वि०
 स० ३५० गंधारविंदसेयुलनीलो जगतिलो
 जिहांजगदीसहो वि० ४० नोदरिणदेवीरे
 दिलवस्फं सस्यमकवचितईसहो वि० ४
 ५० प्रच्छजिनिवनराजीमाराजी
 जनदेवहो वि० ५०

दीजेये नवो नवतुमपायसेवदो त्रि० ५ अनु०
 प्रतिश्रीमाहावीरजितसवनसंश्रमि॥
 सदीयांनेमनगीतोमाहरेमनवस्यो चितवस्थोज
 दवरयदोसदियरमोरी सादिवानोनसकि
 चितदितधरी दीयडेदरमवपरदो० सा० १
 सा० नवनवजीतहीयेधरी परलोराजलनार
 दो स० २ सा० पकतउकारकानेसुली मोपर
 भासोरोसदो० स० ३ सा० आतनरा लगेआ
 दरी नवमेकिमयेबोबेददो स० ४ सा० तोर
 गयीरयफेरीये किमरहेजादवलाजदो स०
 ५ सा० रेवंतगिरजाईध्यानसं साध्याआत्म
 काजदो स० ६ सा० राखुज नईसजमआदस्थो
 सरवीजीतसंजाजदो स० ७ सा० रूपेविंदरक
 नबैवीनती सुणज्योदीनदयाजदो स० ८ सा०
 इतिनेमराखुलसवनसंश्रमि॥ देवीकलावीनी॥

यां राघो मला एवैरावो भेकरला जी एपुरी एन तो।
मेरे गोरी री आगणी एदेरी येतो जग चित्तामणि पा
सजि एणंद जी हो आसपुरी रे प्रभु अमर तणी चं
सुधीत वन सुचरित जि० नित प्रति साधक उभा
येतो प्राणतयी सुषवास जि० वीस सागर धिति
दुय करी चैत्र मास वदि दोय जि० वामा रुखे अरत
री २ येतो सदशम वदि जात जि० एकादसी दिक्का
चरी चैत्र मेक सुचरित जि० केवल ज्ञान बल ही क
री ३ येतो सुचिदल प्रातल मास जि० आठम वरी
शिव सुंदरी येतो नव करतनु वरि नील जि० अ
हिल बन चरण धरी धमेतो फिर जो आस जदेव
जि० काज सस्यो दि के दूथी जंतो वृक कूजं सी
सन माय जि० तारतार कप दते दूथी ५
नंतर शुण जाण जि०
याचक उषत जाण जि०

दानं दंतितमुकरी जि-ईं स्वयं विजयपद निन जि०
 सिद्धि नंत नय चिनि ईं ७ इति चिता मणि पशु
 जित पदम् ॥ विमल जित दिवा लाय एव ग्राह
 सारा सिद्धाते तित काम वि० १ आकली चरण कम
 जक मजाव सेरे तिलम लथिर पद दे० समलत्रा
 सत्य पद परिहरेरे एक जमा मर दे० वि० २ मुजय
 नउक पद पंक जेरे लीजो पुण मकर दरक गिणे
 मंदिर धरारे इष्टतः इना गिंद वि० ३ सादित सम
 रयत धरारे पांशो परमुपचार मनवी सारंभी वा
 जहारे आतम लोच्य धार वि० ४ दूर सपली वे जि
 नत पोरे संसोय नर देवे ध दिन पि० ५ कर चरण
 सरतारे अंधकार प्रतिषेध वि० ५ अमिय करी दू
 रतिर चिरे उपमान घटे काय ग्राहित धारत
 जीलतीरे निरवित हृ पतिन होय वि० ६ एक अ
 रज सेवक तपीरे अरु धार जित देव कृपा करी मु
 जदी जीवरे ग्राम दयत पद सेव वि० ७ इति विमल जित पद ॥

॥ जल रानी ॥ कोइ लोपरबत कंध लोरे लो ॥ एदे ॥
आचारंग पहिले कहर लेलो अंग इग्यार मजार रे
चउर नर अठार हजारा यदुनि हारे लो दाव्या मन
आचार रे च० १ नाव धरी ने आं न लोरे लो जिमना
जे नव नीति रे च० २ जा न किं ज नाव नारे लो आ
चवी येन विरिते रे च० ३ ना० अरु वंध दोय स
हमणारे लो अअयणा पणवी नरे च० आश्रता
तीर थइ हांक हरे लो युंगति श्रीजगदीस रे च० ४
ना० मिठ फेद यणें गुड क हरे लो मिठ फे अंग ज
हरे च० ५ मीठ फेरी तिआं न लोरे लो अषले हे मीठ फे
ते हरे च० ६ ना० अरु त रुखुर मणी सरग वारि लो
अरु थट हरे कां परे च० सो न लं बुं सिद्धांत नुरे लो तेह

लं अधिक अजिगंमरे च० ५ ना० श्रीनयविलज्य
विबुधतणेरिलो वाचकजयकहिसीजरे च०
उमनेयहिलाअंगतुरेलो शरणहोन्योनिसदी
सरे च० ६ ना० इतिश्रीआचारंगसिफाव० १७
७२। कहरहेविअतिकजलुंरेएदि॥ जुगनागहि
वेयानलोरे विजुंमनमेरंग आतमनावेमनक
चिरे तेहजलोगोअंग १ कहरनरः धारोसमकित
नाब एतेनवसायरमोनाव च० १७० सअरवेध
देयसंहामणेरि अजयणातिदीस तिसयतिस
ठकमतिलणेरि मतिरवंनलसकजगीस च० २७०
कहिजंदवीयअणुअंगमारे एहबुहतअधि
कार साधंजवेरीनोनलोजी जवेरतलोव्याप

૨ ચ૦ ૨૫૦ અર્ચકર્ચકનાશહંતી શ્રીતાતાઅં
 તનહોઈ ગુરુતમતાસુસ્વ્યાંમસ્થેંતી અવરૂપેંપતિ
 ષીર્ષ ચ૦ ૪૫૦ અધગ્ધજાગ્રતાવતાતી ગુરુત્વ
 લેખતદાંત ગુરુત્વગારઅંતરવીતી આદર
 ક્ષિંતેદાંત ચ૦ ૫૫૦ વક્તાદુવોકોનહીતી જિ
 મનાથેંતમધર્મ વાચકજસકદૈરુષ્ણંતી રૂપે
 વિનયતીમર્મ ચ૦ ૬૫૦ રૂપેદીતીયાંગસિખા
 ॥ તળદલતીગલાત્રીજુંઅંગદિવેસાંતલી જિ
 એકાદિકગાંત મોહનં અદિસાંતેંઅતિઘણ અર્થ
 અનંતજમોળ ૨ મોં વારિરૂજિનવદ્દતનની જિ
 હનાગુણતીનહીવાર મોં જેહરૂપઅનેંવક્તલં
 ટી તેહનોવળિકરેંઅધાર ૨ મોં વાંગીતારથમુખ

संशले जहीयेतयस्तवउल्लास मो० तरणि
करणकरस्यिकरी ऊंइसरवरकमलविकास
मो० २ वा० जेहएहनीदिशुनदेसना तेमहे
ज्योसरउरुतुर मो० तसअंगसविलेपतकी
जीइ चंदनमृगमदसूककहर मो० ४ वा० जि
मनमरकमलवनयुषलहे कीकिलफामिअ
हकार मो० तिमश्रोतानेवक्तामीजी पामेश्र
तअर्थनोपार मो० ५ वा० बागगलीयाकर
गली वलिअमृतगल्ककहेदाय मो० माहरे
श्र- तोमत्कृतआगले तेकाइनेआवेदाय मो०
६ वा० श्रततागुणरगुल्लावीइ वलीजाविये
मनवेराग मो० टालेनेनेमजगावीयेउपजादीये

कृत्तस्योनाग मो० ७ वा० इति वांलंगस्त्राध्व
या॥१॥ नीदलनीवेरणहोयरहीएदेरी॥ चोयुम्
मवायगतेआनली मुंकीआमलोरेमननोधरम्
वके एहनाअर्थअनोपमअतिष्ण जगिजने
रेएहनीसुप्रजावके १ उत्तमधरमेंधिररही॥ अ
ली॥ अस्वाअतएगुणतरा वलिगुणतरारेविनि
धीणजाणके मिरवालो गलिपिवकनी एहनादि
रेजोउज्जगतिजमालके २३० एकलापपद
मोकह्या वलिउपररेचुआलहजारके अकु
घातेदेवजे करेअदुगुदरेतेहनीपरिहृके
२३० लिणवयलेनविदंभुवे तअनादनेरने
बुधिलेयके अदुगुदरे २३० अ
अपतारेगीतारथतोयके २३०

दुग्धतली जेहद्विरेक्षतत्रयतिचोले की
जेको निवक्षमणा जीजेनामणारे नितनितरगरी
लेके ५३० सदुग्धमक्षजिसाजले अतनर्हे
रेउजमणाचारके श्रीनयविजयविबुधतली
कहेयेवकहेतसहेइतवपारेक ६३० इतिव
उर्ध्वगसाध्याय॥४॥ अहोमतवालेसाजना॥
अंगपांचमसांजला उमेनगवईनामेवंगेरे
जाकरोतेप्रजावना आलीमनपाहिहरेगेरे
एकगणयनेहेजाजना उमेमानेतेबोलहमा
रेरे हितकारीजेहितकहेतेतोजांलीनेमतप्या
रेरे २४० उमवारीनुइसई करेएकासली
त्रिवीहारेरे पदिकमणाहोअवारना करेअवि
ततलोपरिहारेरे २५० देववादित्रिणदंकना

बलिकविनववननविबोलेरे पाप
तिनजे धर्मिस्सुहियफलुंवीलेरे ४ सु०
वअराधवा काउसगपिल्लोगअविसेरे
नगवईनामनि नोकरवालिविसेरे ५ सु०
दिनएहमंजाविये उरुनक्तिदिवसविसेरे
जेबलिपुरेथई उत्सवजीमवऊजनदेवेरे
रु नक्तिसाक्षआमीतली बलिराति
कोरे लक्ष्मीलाहोअतीघणी व
अनेकोरे ७ सु० त्रिणनामलेएहना
तहंपांचमोअंगेरे विवाहपलतिबीजुकयुं
त्रजुंनगवईसुत्रसुरंगेरे ८ सु०
एहतोबलि बलिवालीसतकयुहयोरे

तिहो अतिघ्ना गघनं ग अतंतकाहारे १
सु० गोतमबुद्धे अनुकरे तेतोनां प्रसङ्गां सुष
होदेरे सहस्रवतीरतेनां मनी उजाकिजे वि
वजोईरे १० सु० मंयंगिरव्यवहारिया जया
अनलोनीयं यामोरे जीणसीनईए पुजिया श्री
गुरुगोतमनां मोरे ११ सु० पुस्तकसीने अद
रे तेतोपिसे घ्णानं मोरे कल्याणे कल्याण
ना होई अनुबद्ध अतिविस्तारोरे १२ सु० अफ
लमनोरथजस्रुवे तेपुण्यवंतमेवुरे उमा
होअलगीरहे तेपुण्यकी अकरे १३ सु०
मानव नवयां मीकरी जीजेन ह्मीलाहोरे नाव
पुषणमाक्षरीये नयह्ण उछाहोरे १४ सु० उ

तच्छ्रीआराधना नगवईलुणतां ।
त्रिजेनववाचकजन्मकहे इमनासुतेसद्ध
ए इतिपांचमोगा॥५॥ प्यारोश्करति एदि
धर्मकथांगबहुअंग सोनलियेमनधरीरंग
खंधइहादेआरा सुलीमफलकरोअवतार
न १ प्यारीजीनवरवाणी

हिलाल प्यारीपहिलोमांकथाउगलीअ
गबीजेसुजगीअ उवीकीमीकथातिहोसारी
वाअंगनीजाउबलीहारीहिलाल २ प्या
वज्जानेदक्षरी विजाधनेजनतारी रोमां
होइंचित्तक्षरी अमकितपयायव
न २ प्या० आहाअकरेश्रुतलुणतां

वांमैमनगमतां जेविघ्नकरैकइंआनि तेसोमो
आननहीपिलयाहीरे ४ प्या० दावकजवकहे
खुलो लोका श्रुतटलेविघ्ननेसोगा कहेंआ
तनकि नऊनजीइं उरुचरणकमलनित्त
जिइंहीलाज ५ प्या० इतिषष्टांग॥६॥चोयइं
जल॥आतमोअगउयाअगदस्या तेआनल
वामनउलया टोलीमलिमनीहरनार वांमो
धर्मकथाप्रस्तावर आवकधर्मप्रजाविजया
आलंदादिकलेट्ट ७ थया तेहमोएहमांअरस
चरित्र आनलीकरियेजन्मपवित्र २ आवक
जिमउपअगवमइं तेहिमुनीतेदीरकहेइं
हनेवमवुइमचितवसुं अतयावीउमकहने

किं सु च किं मरि के वित श्रुत संली तिम रश्चो
ताहो इव कं गुणी रोमां चित हो इकाया यच्च जा
येना तीस वला अवच्छ भ जिनवाणी तेहने मन रु
ची ते सत्य वादी तेह ज सुचि धर्म गोवि तेह सुं की
जीये वाचक जय कहे गुणरी जीये प इति य सं
मोगा ॥ ७ ॥ देही साहिल नी नी ॥ आव मुग्रं त ग द्द
साहिल नीयां सां जल ज्यो धरी ब विवेक गुण वेल
नीयां बील्य बील ते पा लीये आ० न वित
णटे क गु० १ एक सु अख द एह नी आ०
कर्म गु० चरित्र गु० ब क वर्तनो आ० रोमा
वत क ये अंग २ गु० धर्म ते श्री वन घट अ मो
जगि पिण न विजाय गु० शर द ह न म ल जी ग

वस्तुनोमुलकहय गु० १ नितरराचिंद्रं विद्रं
 या० याचिये एकजफक्ति गु० २ क्षणनिप्रकृतिन
 काचिये गु० ३ धर्मरंगएहयुक्ति गु० ४ श्रीनयवि
 जयविबुधतणे या० वाचकजसकहेसीन गु०
 मुक्तनेलिभनवांणीतणे या० नेहहेयोनिअदि
 न गु० ५ इतिबुधं मांगस्वाध्याय ॥ ८ ॥ दिशीरश्री
 यानी ॥ नवमुञ्जमवलीहिवेसांनलो अतुतरे
 ववाइरेताम ओनामी सुलतासकलप्रमादते
 परिहरी निमहेवेसमपरिणाम १ नयरागी-
 न० ब्रह्मेरीकेश्रोताजेअणे तो श्रीकेअविकाम
 यो० वाधेरंगतेश्रोतातत्तातणे विरुअतिवल
 श्रम व० २ न० ज्ञानमृदुअनेदरवणदसदो व

हिरांगिरिग्यां न यो० धर्मरहस्यकह्यां न मया
गले त्रिलोकस्य मानं व० १ न० जेजेहचोऊं इति
ममज्योतिष्यु निस्यहकरयेरेयाव यो० धर्मगो
चधर्मप्रियुगकस्य बीजुमोरनमेनाव व० ४ न०
धर्मकरिजेऽनुतरकरक्या तेहनाइहोअव
रात यो० वाचकजयकहेजेएहसो नले धनजस
मातनेतात व० ५ न० इति नवमांग एादिशीमी
तीडानी॥ प्रध्वव्याकरणअंगतिदस्युं सो नल
सांकाइनेऊइवअमुं जावीयाप्रवचननारागी
आवीयासंविहितनाअगी १॥ १॥ आश्रव
पंचनेअबरपंच दसअध्यायनेइहोअप्रपंच १
जा० एहिजहितजोणिनेअस्या अतिशयऊता

तेजसात्पा जेह अर्बु पुष्टं लेवनयेवी तेहनेद्या अफ
 लनयेवी २ ना० नागकुमार सुवर्णकुमार वरहियेन
 विलेखणगार एहवाइतं अक्षरसंयोग नंदिसुवनो
 पितृव्ययोग २ ना० सर्वज्ञमहामंत्रनीवीणीया
 वसिष्ठप्रतिसयअपरांली ४ ना० गुरुनक्तानेप्रव
 चनरागी सुविहितसंगनदशोनागी वाचकजस
 कहं पातकसहस्ये श्रुतसंजलतां शुषलहस्ये ५
 ना० इति द्वादशमोगा १२०॥ अंग इष्टारमीसां जलो
 हिवेकरविषाकश्रुतनां मेरे अश्रुतविषाकेदस्ये
 वलिदशविषाकश्रुतनां १ अं० अश्रुतकर्मते
 बांणी ऐ वलिअश्रुतज्वाहरीये श्रुतकर्मरे अम
 कलिजरेनादियां एसां जल्यं केरोममरे २ अं०

नां =

x तवक्षिअगवीअगुणनीषो पल्लिएजगमाअधिकजवाणी x डेली x बी x

ધર્મનિજાંભિમુલગું કંઠગીઘકરાવેકો કરે તેહનેહિ
તકિળપરેહોવેં ફલલહિયેંતેરોકેરોકરે ૨ અં
મનકોઈજાળોરેઅલલું અમેંપ્રવચનનાલુંરાગીરે
સાચનનીઅનતકરે એજોતાનેકહ્યોનાગીરે ૪
અં વેદઅકલગણસંઘનું આચારયપ્રવચન
શ્રુતનું વેદાવચ્છેલિનિતકસ્કં જેહનોમહેંતય
સંઘમનુરે ૫ અં પિળઅવહારેસોનીયેં અવહાર
રેતેનક્તિસાચોરે કવળપળેંજેવંચીયેં જેહનોના
વતેજાંભિકાચોરે ૬ અં જેઅપારઆરઆગમ
સ્થળિરહિયા કહિનદિશ્ચાલસીયારે આઠવ
ચનઅુળીવાઅલશીયા તેજોતાચોકસીયારે
અં ૭ એહવાનેઅમેંઅનુળાવો ધરીયેંધર્મન

नेहरे धर्मगोविंदहस्तासुं बाके एकजीविंदेवदे
हारे ८ अं० धनतेहवरअंगयांगे जेहवुंलाएउम
नरे वाचकजसकहेतसमुलगावा कीजेको
जतनरे ए अं० इति एकादशांगस्वाध्यायः॥
१॥ दोहरमलजीत्करे एदेसी॥ अंगइग्यारेसा
जल्पारे पोहतामननेकोहि दोहरमलजीत्सु
रे गईआंपदआवीसपदारे आवीहोनाहो
हि दो० १ दलियजर्जनदेवतारे वीघननी
कोनाकोहि दो० सर्वलमांहिमजपतारे वा
लेमोनामोही दो० २ जिमजितवरसीएनमा
रे नकरेउनाउहि दो० तिमसदगुरुउपदेज
मारे वनविचारकरहेहि दो० १ करमवि

पोलिदीइवैचोमि दो० तवतवष
वषामसुरे ऊइरहीदोमादोमी दो० ४ मात
रुपचंदनाइउदार दो०
विधिस्तुअंगइ
दो० ५ युगरेमुनिविश्रुवछरे श्रीजयवि
जाय दो० सरतेवोमासुरहरे कीओ
दो० ६ इतिइगारअंगनीस्वाभा
लिपाअवाइसागरेणाश्रीपाउण
इणपरवीनवैएद्रीमि
न उरआणीअतिआलोदरे
गुरुज्ञानीथीयहीएसदा हेवेतहीहोणीदरे
नविजावरेपचहीअनावना॥

ॐ शङ्खपरश्वपरश्वगंधनी इतीनकरैका
इन्द्रिगरे पंचनावनापंचमात्रतनी
नौजगरे ८ न० नावनापचवीसनावता
तपरमकल्याणरे कहेलक्ष्मीकीरतजोदिते
ऊँजेफनिसुजांणरे ९ न० इति ॥ ५ ॥
नास्वाध्याय ॥ अ० १० ॥ गितीकातिवदि ५ ॥

